धनबाद, बुधवार
22 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 292
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

मालगाड़ी पटरी से उतरी, 85 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित

नई दिल्ली(एजेंसी) : दिल्ली डिवीजन के गाजियाबाद-नई दिल्ली रेल मार्ग पर मंगलवार 21 जुलाई 2026 को एक मालगाड़ी के 6 भरे हुए डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके बाद रेलवे ने 85 से ज्यादा ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। यह रेल मार्ग दिल्ली-हावड़ा रूट का हिस्सा है। उत्तरी रेलवे के अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि रेलवे के बड़े अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। हादसे के कारण कई यात्री ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनें रद्द की गई हैं, कुछ को बीच रास्ते तक चलाया जा रहा है, कुछ के रूट बदले गए हैं और कुछ ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे सफर शुरू करने से पहले नेशनल ट्रेन इन्क्वायरी सिस्टम पर अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें। प्रभावित ट्रेनों की पूरी सूची नीचे दी गई है।

कांग्रेस नौटंकीबाज पार्टी है, बंद करे अपनी नौटंकी : आदित्य साहू

रांची, (एजेंसी) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने लोकभवन के समक्ष कांग्रेस के धरना को नौटंकी करार दिया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस नौटंकीबाज पार्टी है, कांग्रेस अपना नौटंकी बंद करें। युवाओं के नाम पर भाजपा नहीं बल्कि कांग्रेस राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल यह समझ चुके हैं कि लोकतांत्रिक तरीके से इस देश में वे सत्ता में नहीं आ सकते, इसलिए हताशा में इस प्रकार के उलूल जुलूल कार्यों को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस के गठबंधन से झारखंड में सरकार चल रही है। उनकी अपनी सरकार में जेपीएससी, जेएसएससी में हो रही लगातार अनियमितता क्यों नहीं दिखती है।

खुलेआम पेपर लीक हो रहा है, नौकरियां बेची जा रही है, इसके खिलाफ कांग्रेस धरना प्रदर्शन क्यों नहीं करती। इस मुद्दे पर उनकी जुबान क्यों सील जाती है। 19 युवक उत्पाद सिपाही दौड़ में मारे गए, तब इन्हें युवा याद नहीं आते। उन्होंने कहा कि झारखंड में लाखों पद खाली पड़े हैं, बेरोजगारी बड़ा गंभीर मामला है। इसपर कांग्रेस और उनकी सहयोगी दल कुछ नहीं बोलते हैं।

दो साल में पर्यटन विकास के 117 प्रोजेक्ट मंजूर, सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने बताया है कि पिछले दो वर्षों में देशभर में पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 117 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 5,756.62 करोड़ रुपये है। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं का उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं का विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह जानकारी संसद में एक लिखित उत्तर के माध्यम से दी गई। सरकार के अनुसार, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इन परियोजनाओं के जरिए पर्यटन स्थलों पर सड़क, सुविधाएं, पर्यटक केंद्र, सार्वजनिक अवसंरचना और अन्य आवश्यक विकास कार्य किए जा रहे हैं। इनका लक्ष्य पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाना है। सरकार ने यह भी बताया कि पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है। इनमें कम चर्चित पर्यटन स्थलों के विकास, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के उन्नयन तथा टिकाऊ पर्यटन (सस्टेनेबल टूरिज्म) को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। केंद्र का कहना है कि पर्यटन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विस्तार न केवल देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में भी आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

कैबिनेट : झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 06 से 12 अगस्त तक

रांची, (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 06 से 12 अगस्त तक आहूत होगी । यह निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि मॉनसून सत्र में कुल पांच कार्यदिवस होंगे। कैबिनेट की बैठक में 49 एजेंडों पर मुहर लगी।

सुदूरवर्ती स्थानों के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा

राज्य के सुदूरवर्ती स्थानों के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए हेलीकॉप्टलर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस (एचईएमएस) सेवा शुरू की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार सिंगल इंजन वाले हेलीकॉप्टर को किराए पर लेगी।

इसका उपयोग दूर-दराज के इलाकों से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने में किया जाएगा। इस सेवा पर हर साल करीब 9.45 करोड़ रुपये खर्च होंगे।सिकल सेल से ग्रस्ता बच्चों को बोर्ड परीक्षा उपस्थिति में छूटकैबिनेट ने सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया, टाइप 1 मधुमेह सहित अन्य गैर-संक्रामक रोगों से प्रभावित और दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों के बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 प्रतिशत आवश्यक उपस्थिति में छूट के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की स्वीकृति दी गई। इस एसओपी के तहत अब बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए ऐसे बच्चों की उपस्थिति 75 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत अनिवार्य होगी।

1000 विद्यालयों में एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम होंगे शुरू

राज्य के 1000 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 176.07 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जेईपीसी कार्यालय में 02 और पांचों प्रमंडलों के डीआइईटी कार्यालयों में 05 स्टूडियो बनाए जाएंगे। यहां से शिक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बच्चों को पढ़ाएंगे और छात्र सीधे सवाल भी पूछ सकेंगे। सरकार ने आदर्श विद्यालय योजना की अवधि वर्ष 2029-30 तक बढ़ा दी है। इसके अलावा जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, सिद्धू-कानू मुर्मू विश्वविद्यालय और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों का पुनर्गठन किया गया है। वहीं बरही डिग्री कॉलेज का नाम बदलकर डिग्री महाविद्यालय चंदवारा कर दिया गया है।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- गिरिडीह के जमुआ में 38 करोड़ रुपये की लागत से एक डिग्री महाविद्यालय खोलने की मंजूरी दी है।

मंत्री दीपिका ने किया सावन महोत्सव मेले का शुभारंभ

रांची, (एजेंसी) : अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27 वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले का उद्घाटन मंत्री दीपिका पांडे सिंह और अग्रवाल सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने किया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि सावन मेला केवल खरीदारी का आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं की अद्वितीय प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपने हुनर और उद्यमिता को पहचान दिलाने के साथ सामाजिक सहभागिता का भी बेहतर मंच प्रदान करते हैं। महिलाओं के उद्यमी बनने से समाज, परिवार और राष्ट्रा और भी सशक्त होगा। मौके पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री निर्मल बुधिया ने सभा की सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज चौधरी और मंत्री निर्मल बुधिया ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।वहीं महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डाला, जबकि मेला संयोजिका अनुसूया नेवटिया ने बताया कि मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। दूसरे दिन सावन सिंघारा कार्यक्रम आयोजित होगा और समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल को सम्मानित किया जाएगा।

इधर, मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में महिलाओं और परिवारों ने स्टॉलों पर खरीदारी की और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया।

इस मौके पर अग्रवाल सभा और महिला समिति की पदाधिकारी, सदस्य और शहर की कई अन्यं महिलाएं मौजूद थीं।

यूक्रेन से रवाना वाणिज्यिक पोत पर हमले में चार भारतीयों की मौत, भारत ने रूस के प्रभारी राजदूत को किया तलब

नई दिल्ली, (एजेंसी) : यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए वाणिज्यिक पोत एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत के बाद भारत ने मंगलवार को रूस के प्रभारी राजदूत (चार्जे ड-ी'अफेयर्स) व्लादिमीर लादानोव को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और निर्दोष नागरिकों की जान जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि 19 जुलाई को एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हुई। मंत्रालय ने रूस के प्रभारी राजदूत को भारत की गंभीर चिंता से अवगत कराते हुए कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं। उनसे भारत की इस चिंता से रूसी अधिकारियों को अवगत कराने का भी आग्रह किया गया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और निर्दोष नागरिकों की मौत जैसी घटनाओं से हर हाल में बचा जाना चाहिए। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना सभी पक्षों की साझा जिम्मेदारी है।

उल्लेखनीय है कि एमवी गोल्डन लियो रविवार को यूक्रेन के दक्षिणी शहर ओडेसा से रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान जहाज पर मिसाइल हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। जहाज पर कुल 17 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे। हमले में जहाज के नौ चालक दल के सदस्यों और बंदरगाह के एक यूक्रेनी पायलट की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि मृतकों में चार भारतीय नागरिक शामिल हैं, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है।

राहुल का प्रधानमंत्री आवास के पास अभूतपूर्व धरना, पुलिस ने लिया हिरासत में

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं को मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के पास निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर अचानक धरने पर बैठने के कुछ घंटे बाद ही दिल्ली पुलिस ने वहां कार्रवाई की और श्री गांधी और अन्य कांग्रेसी नेताओं को हिरासत में ले लिया।

तीन घंटे से अधिक समय तक चले एक नाटकीय घटना क्रम में श्री गांधी को हिरासत में लिये जाने से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने धरना स्थल पर जा कर उनसे धरना समाप्त करने के बारे में बातचीत की थी। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस श्री गांधी तथा उनके साथ धरने में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव को वहां से हटा कर पुलिस वाहन में अन्यत्र ले गयी। इस दौरान श्री गांधी ने उन्हें हटाये जाने का प्रतिरोध किया तो पुलिसकर्मी उन्हें उठा कर वाहन तक ले गये।

कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा तथा पार्टी के अन्य नेताओं को भी पुलिस वहां से हटा कर अपने वाहनों में ले गयी।

इससे पहले श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रश्न-पत्र लीक मामले पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के साथ राजधानी में पुलिस की कार्रवाई का विरोध करने के लिए अपने धरने में शामिल होने का आह्वान किया था।

श्री गांधी तथा पार्टी के अन्य नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास से मार्च करते हुए लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के निकट पहुंचे थे।

श्री जितेंद्र सिंह ने बाद में एक बयान में कहा कि विपक्ष के नेता श्री गांधी ने उसके साथ बातचीत के नीट की परीक्षा और उससे जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने की मांग की जिसे सरकार ने मान लिया था लेकिन बाद में उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी शर्त रख दी।

गौरतलब है कि धरने पर बैठे कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को संसद भवन से बाहर प्रदर्शन के दौरान युवाओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को युवाओं के भविष्य पर हमला बताते हुए सरकार से जवाबदेही तय करने और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने की मांग की।

श्री गांधी को जबरन धरना स्थल से उठाने को कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शर्मनाक बताया। उन्होंने एक्स पर पुलिस कार्रवाई का एक फोटो शेयर करते हुए लिखा ₹मोदी की तानाशाही देखिए। विपक्ष के नेता के साथ ऐसा सुलूक किया जा रहा है। शर्मनाक !₹ उन्होंने कहा कि यह भी नहीं बताया जा रहा है कि श्री गांधी को हिरासत में लेकर किस थाने में ले जाया जा रहा है।

हिरासत में लिये जाने से पहले श्री गांधी ने कहा, ₹हम छात्रों के खून का हिसाब मांगने प्रधानमंत्री के घर आए हैं। युवाओं की गुनहगार मोदी सरकार जवाबदेही और संसद में चर्चा से भाग नहीं सकती। छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वह बिना जवाब दिए और बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा, भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने और उनके खिलाफ क्रूरता के लिए नरेंद्र मोदी,

संसद मार्च में बवाल: पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े, 118 जवान घायल, 70 हिरासत में, हिंसा की साजिश के एंगल से जांच तेज

नई दिल्ली, (एजेंसी) : संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' मार्च के दौरान भारी हंगामा हुआ। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगह हिंसक झड़पें हुईं। जनपथ, रायसीना रोड और संसद मार्ग पर पथराव, बैरिकेड तोड़ने और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा। दिनभर चले हंगामे के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया लेकिन देर रात वे फिर लौट आए। इस बीच सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने आंदोलन और संसद मार्च मंगलवार को भी जारी रहने का ऐलान किया।

मंगलवार रात से ही प्रदर्शनकारी और उनके समर्थक इकट्ठा होने लगे थे। मंगलवार शाम तक करीब 16 हजार प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर व उसके आसपास इकट्ठा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने पूरे दिन पुलिसकर्मियों को इधर से उधर भगाया। देर शाम तक एनडीएमसी भवन के पास अचानक चार हजार से ज्यादा की भीड़ जमा हो गई। पुलिस बार-बार रोड को खाली करने का अनुरोध करती रही और लोग उग्र होते दिखे। इस बीच प्रदर्शन करने वाले लोगों ने

पुलिस टीम पर पानी की बोतल भी फेंकी।

इससे पहले सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने बार-बार चेतावनी और कानूनी निर्देशों के बावजूद लागू धारा-163 का उल्लंघन किया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस का दावा है कि उपद्रव के दौरान 15 से 20 सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हुए, जबकि जनपथ इलाके में कई दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई। हिंसा में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इनमें स्पेशल कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी रैंक के अधिकारी समेत पांच से अधिक आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। कई महिला पुलिसकर्मी भी घायल हुई हैं।

वहीं, करीब 60 प्रदर्शनकारियों के भी जख्मी होने की सूचना है। घटनास्थल पर तैनात एक घायल पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्लैरिजेस होटल के पास अचानक प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव शुरू हो गया। उनके मुताबिक ऐसा लगा कि पत्थरों का पहले से इंतजाम किया गया था और प्रदर्शन समाप्त होने के बाद बची भीड़ ने सुनियोजित तरीके से हिंसक रूप ले लिया।

हिंसा के बाद पुलिस ने करीब 70 लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए कई लोग छात्र नहीं हैं। ऐसे में पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की सुनियोजित साजिश के एंगल से भी जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया पोस्ट और मोबाइल वीडियो भी जांच के दायरे में हैं।

उधर, सड़क पर बवाल के बीच बातचीत का दौर भी चलता रहा। सीजेपी प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से दो बार मुलाकात की। पहली

सिक्किम में एनएचपीसीकी निमाणार्धीन सुरंग ढही, 10 श्रमिकों की मौत

गुवाहाटी/नामची (एजेंसी) : सिक्किम के नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निमार्णाधीन सुरंग में हुए भीषण हादसे में अब तक 10 श्रमिकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य श्रमिक अभी भी सुरंग के भीतर फंसे हुए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरंग के भीतर मीथेन गैस के विस्फोट के बाद भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया और अंदर मौजूद श्रमिक बाहर नहीं निकल सके।

बताया गया कि हादसा सोमवार दोपहर करीब 3:40 बजे ज्होलुंगे क्षेत्र के समरदुंग स्थित निमार्णाधीन सुरंग में हुआ। घटना के समय कुल 25 श्रमिक, जिनमें एनएचपीसी के कर्मचारी भी शामिल थे, सुरंग के भीतर काम कर रहे थे। जिला प्रशासन ने अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि शेष श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार सुरंग के भीतर लगभग डेढ़ किलोमीटर अंदर मीथेन गैस जमा हो गई थी। गैस निकालने के प्रयास के दौरान अचानक विस्फोट हुआ, जिससे सुरंग के एक हिस्से में भूस्खलन हो गया और रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। कुछ श्रमिक तत्काल बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कई अंदर ही फंस गए।

बचाव अभियान को मीथेन गैस, ऑक्सीजन की कमी, धुंधली दृश्यता और संकरी सुरंग जैसी कठिन परिस्थितियों के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शुरूआती प्रयासों में दमकल कर्मियों को सांस लेने में परेशानी हुई, जिससे उन्हें अभियान बीच में रोकना पड़ा। बाद में एनडीआरएफ की टीमों ने भी प्रयास किया, लेकिन विषाक्त वातावरण के कारण सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद पश्चिम बंगाल से गैस सुरक्षा उपकरणों से लैस विशेष बचाव दल बुलाया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिक्किम पुलिस, दमकल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से लगातार राहत कार्य में जुटी हुई हैं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से फोन पर बातचीत कर घटना की जानकारी ली और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की निगरानी में पूरी रात बचाव अभियान जारी रहा। प्रशासन का कहना है कि फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित निकालना सर्वोच्च प्राथमिकता है। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है और बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

डीसी ने अग्निवीर भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर बैठक की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : अग्निवीर भर्ती रैली के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भर्ती रैली के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा एवं आवश्यक आधारभूत व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी कुमार रजत, सहायक समाहर्ता आस्था शरण, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला खेल पदाधिकारी शिवेन्द्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक सदर संजीव कुमार बेसरा, पुलिस अधीक्षक (यातायात) सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं सेना के प्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक के दौरान सेना के अधिकारी एम.के. शर्मा ने बताया कि अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 1 सितंबर 2026 से प्रारंभ होगा, जो लगभग 12 से 13 दिनों तक प्रस्तावित हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से भर्ती रैली के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने का आग्रह किया।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी व्यवस्थाएं शत-प्रतिशत गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने भर्ती स्थल पर पर्याप्त मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एम्बुलेंस, चिकित्सकों की तैनाती, स्ट्रेचर, कूलिंग रूम तथा

आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि दौड़ अथवा अन्य गतिविधियों के दौरान किसी भी अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने मौसम को ध्यान में रखते हुए वाटरप्रूफ जर्मन शेल्टर, पर्याप्त रेस्ट एरिया, बैरिकेडिंग, आवश्यक स्थानों पर कार्पेट, बैठने की व्यवस्था तथा अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रतीक्षा स्थल तैयार करने के निर्देश दिए।बैठक में सेना के अधिकारी द्वारा बताया गया कि अभ्यर्थियों की रात 12 बजे से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इसे देखते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने भर्ती स्थल पर पर्याप्त लाइटिंग, जेनरेटर बैकअप, एलईडी स्क्रीन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, इंटरनेट सुविधा, स्वच्छता एवं हाइजीन-सैनिटेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।इसके अलावा मोबाइल शौचालय, पर्याप्त पेयजल, नियमित कचरा निष्पादन एवं साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। टेंट, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, फूड एंड बेवरेज एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए रांची नगर निगम सहित संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने भर्ती स्थल एवं उसके बाहरी क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित पेट्रोलिंग तथा समुचित सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा भर्ती रैली के सफल आयोजन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

एक्सट्रीम बार हत्याकांड, 10 दोषियों को नौ-नौ साल की सजा

अदालत ने सभी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी के बहुचर्चित एक्सट्रीम बार में डीजे संदीप प्रमाणिक हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है।अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की कोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ विक्की सहित 10 दोषियों को नौ-नौ साल की सजा सुनायी है।इसके साथ ही कोर्ट ने हर दोषी पर 50,000-50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।अदालत ने आरोपियों को गैर इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया था।सजा पाने वालों में मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह, अशोक कुमार सिंह, मोहम्मद शामिरुद्दीन, प्रतीक, मृत्युंजय कुमार, प्रकाश कुमार, दिवाकर उपाध्याय, आलोक दीवा, पंकज कुमार और सुमित कुमार शामिल हैं। 26 मई 2024 की देर रात एक्सट्रीम बार बंद होने के बाद चार से पांच युवक पहुंचे थे। बार स्टाफ के साथ कहासुनी के बाद मारपीट हुई।इसी मारपीट का बदला लेने के लिए मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह ने अपने दोस्तों संग साजिश रची।वह सेल सिटी स्थित अपने किराये के मकान से राइफल लेकर लौटा। बार में घुसकर पश्चिम बंगाल निवासी डीजे संचालक संदीप प्रमाणिक की छाती में करीब से गोली मार दी।मौके पर ही संदीप की मौत हो गयी. वारदात के बाद आरोपी ने पार्किंग में भी कई राउंड फायरिंग की और कार से फरार हो गया।घटना की पूरी तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गयी थी। पुलिस ने जांच के बाद 14 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद चले ट्रायल में अदालत ने 10 आरोपियों को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनायी।

रिम्स झारखंड की उम्मीदों का केंद्र, इसे सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में शामिल करना सरकार का संकल्प : डॉ इरफान अंसारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) शासी परिषद् की 65वीं बैठक मंगलवार को प्रशासनिक भवन में आयोजित हुई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसकी अध्यक्षता की। इस दौरान पहले से तैयार 26 महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तार से चर्चा करते हुए इस पर निर्णय लिए गए।इनमें निचले क्रम के कर्मचारियों की सेवा नियमावली तैयार करने, अस्पताल में नए जांच और अत्याधुनिक उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से उपकरणों की खरीद, साफ-सफाई, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के बेहतर रख खाव के लिए गवर्निंग बॉडी में सर्वसहमति से कई निर्णय लिये गये।बैठक में कुल 26 एजेंडों को लाया गया था, जिसमें से 19 प्रमुख पर निर्णय के बाद इसे मंजूरी दी गई।बैठक के दौरान 64वीं बैठक से जुड़े अनुपालन प्रतिवेदन पेश किये गये।पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के दौरान एक-एक इसके ऊपर चर्चा के बाद इसे अंततः पास किया गया।वहीं, इस दौरान 28 अप्रैल को वित्त एवं लेखा समिति, रिम्स की 14वीं बैठक की हुई कार्यवाही की सम्पुष्टि पर भी अंतिम रूप से निर्णय लिए गये। शासी परिषद बैठक में परिषद के चेयरमैन के तौर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बैठक के बाद मीडिया को ब्रीफ करते हुए कहा कि रिम्स झारखंड की उम्मीदों का केंद्र है और इसे देश के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में शामिल करना सरकार का संकल्प है।उनके निर्णय से मरीजों का बाहरी राज्यों में पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर अत्याधुनिक इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवीय दृष्टिकोण लाकर रिम्स को जनता की उम्मीदों का अस्पताल बनाया जायेगा।शासी परिषद बैठक में परिषद के चेयरमैन के तौर पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ इरफान अंसारी, कांके विधायक सुरेश बैठा, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स के निदेशक डॉ दीपेंद्र कुमार सिन्हा, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, अपर निदेशक डॉ बाघमारे कृष्ण प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी विशेष तौर पर शामिल हुए।

राज्यपाल से मिले विधायक जयराम, 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा की सीबीआइ जांच की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : 14वीं झारखंड सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 के परिणाम में सामने आई कथित विसंगतियों को लेकर मंगलवार को डुमरी विधायक जयराम महतो के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला। ज्ञापन के माध्यम से 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा की स्वतंत्र उच्च स्तरीय/सीबीआई जांच कराने तथा जांच पूरी होने तक प्रस्तावित मुख्य परीक्षा को तत्काल स्थगित करने की मांग की गयी। ज्ञापन में कहा गया कि प्रारंभिक परीक्षा परिणाम में कई गंभीर प्रश्न सामने आये हैं, जिनमें वायरल ओएमआर कार्बन कॉपी का मामला, आयोग के सदस्यों के हस्ताक्षर के बिना परिणाम जारी होने की खबरें, सामान्य श्रेणी में हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के अभ्यर्थियों की असामान्य संख्या में सफलता, श्रेणीवार कट-ऑफ अंक सार्वजनिक नहीं किया जाना तथा मुख्य परीक्षा के लिए अत्यंत कम समय दिया जाना शामिल है।इन सभी तथ्यों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच आवश्यक है, ताकि अभ्यर्थियों का विश्वास बना रहे और आयोग की गरिमा सुरक्षित रह सके।प्रतिनिधिमंडल ने मांग किया अगर इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी पायी जाती है तो दोषी अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। मौके पर विधायक जयराम महतो ने कहा कि यह मामला झारखंड के लाखों छात्रों के भविष्य और उनके विश्वास से जुड़ा हुआ है। यदि झारखंड लोक सेवा आयोग दो दिनों के भीतर छात्रहित में उचित निर्णय लेते हुए मुख्य परीक्षा स्थगित कर निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं करता है, तो छात्र-युवा व्यापक जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी आयोग एवं राज्य सरकार की होगी।प्रतिनिधिमंडल में वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो, पूजा महतो, राजकुमार मंडल, दीनबंधु मंडल एवं संदीप कुमार गुप्ता शामिल थे।

नीट में डीएवी नंदराज के पांच छात्र सफल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : डीएवी नंदराज पब्लिक स्कूल, बरियातू के पांच विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल की है।इसमें संजना कुमारी, रवि रंजन, रविराज, मानसी नायक और कुमार मयंक शामिल हैं। प्राचार्य, स्कूल प्रबंधन समिति व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्रों की सफलता पर विद्यार्थियों को बधाई दी।

आर्मी स्कूल में छात्र परिषद अलंकरण समारोह, 42 विद्यार्थियों ने ली जिम्मेदारी की शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आर्मी पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया।प्राचार्य अभय कुमार सिंह ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को बैज एवं सैश प्रदान कर पद की शपथ दिलायी।आर्यवीर कुमार और आरव सिंह को हेड बॉय तथा लावण्या और नंदिनी सिंह को हेड गर्ल चुना गया।

प्लांट परिसर से महिला का शव बरामद,दुष्कर्म के बाद महिला को जलाने के प्रयास की आशंका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत केटीपीएस में भेल कंपनी के अधीन एके सिधानियां के निमार्णाधीन साइड के एक गढ्ढे से मंगलवार को 40 वर्षीय विधवा महिला का शव बरामद हुआ।महिला का शव मिलने से प्लांट व आसपास के विस्थापित गांवों में सनसनी फैल गयी। आशंका जतायी जा रही है कि दुष्कर्म के बाद उसे जलाने का प्रयास किया गया और मार दिया गया। घटनास्थल पर कुछ दिनों से शव के पडे रहने के कारण दुर्गंध उठने लगा था।मामले की जानकारी मिलते ही चंदवारा व तिलैया डैम ओपी पुलिस घटना स्थल पर पहुंची, जहां लोगों ने शव की शिनाख्त कांको निवासी 40 वर्षीय मोसमात बिंदू पति स्वः कैलाश प्रजापति के रूप में की. जानकारी के मुताबिक महिला अपने मायके में रहकर मजदूरी कर तीन बच्चों का भरण पोषण कर रही थी।फिलहाल 8-9 जुलाई से वह कंपनी की साइड पर मजदूरों के लिए रसोईया का काम कर रही थी। रविवार की शाम जब वह अपने घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उस्की खोजबीन शुरू की, मगर कुछ पता नहीं चल पाया। मंगलवार की सुबह यह चर्चा आम होते ही की एक महिला का शव उक्त साइड पर एक गढ्ढे में पडा है। सूचना के बाद परिजन वहां पहुंचे और उस्की पहचान की।घटना स्थल पर से शव को उठाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पडी।तीन दिनों से शव पानी में पडे रहने के कारण शव क्षत विक्षत हो गया था। मृतका के परिजनों व ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा शव उठाने के प्रयास का विरोध किया। परिजन हत्यारों को गिरफ्तार करने और उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। जांच के क्रम में यह बात सामने आयी है कि उक्त साइड पर कुल 11 मजदूर काम करते हैं।उसमें से एक मजदूर विपुल वर्मा घटना के दिन बिंदु देवी के साथ देखा गया था और उसी रात से वह गायब है।ग्रामीण उसकी गिरफ्तारी की मांग पर अडे थे। घटना स्थल पर मृतका की बेटी व परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। मौके पर चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण प्रसाद, डैमी ओपी प्रभारी प्रेम कुमार, मो. शमशुद्दीन, संजय यादव, कामाख्या सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद थे।इस बाबत मृतका के परिजनों, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व भेल कंपनी के अधिकारियों के बीच बाद में वार्ता हुई।वार्ता में सहमति के मुताबिक भेल कंपनी ने मृतका के परिजनों को 9 लाख रुपए नगद और चार लाख रुपए का चेक मुआवजा के तौर पर दिया तथा एक व्यक्ति को भेल कंपनी के कार्यालय में नौकरी देने की बात कही गई। वार्ता में जिप सदस्य महादेव राम, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, मजदूर नेता विजय पासवान, युवा नेता उमेश यादव, सांसद प्रतिनिधि मनोज साव, विवेक यादव, अरूण यादव, महेश यादव, रामदेव मोदी, जेएलकेएम नेता रविशंकर यादव, मितलाल साव, विकास चंद्र राय आदि शामिल थे।इधर, इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता उमेश यादव ने कहा कि यह घटना स्थल जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आता है। पुलिस प्रशासन इस मामले की गंभीरता से जांच करे और फरार मजदूर विपुल गुप्ता को गिरफ्तार कर कांड का खुलासा करें।इस मामले का उद्भेदन शीघ्र हो ताकि ऐसी घटना पुनरावृत्ति इलाके में ना हो सके।

भूमि सर्वे के मामले में राजस्व सचिव ने दिया जवाब, कहा:नयी टेक्नोलॉजी का होगा उपयोग, समिति बनी मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त को होगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में वर्ष 1974-75 में शुरू किये गये भूमि सर्वे को पूरा करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।चीफ जस्टिस एमएस सोनक व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान भूमि सर्वे को लेकर राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग के सचिव की ओर से दायर शपथ पत्र का अवलोकन किया। खंडपीठ ने राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच अगस्त की तिथि निर्धारित की। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दायर कर खंडपीठ को बताया गया कि भूमि सर्वे में नयी टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाना है। इसके लिए नयी टेक्नोलॉजी के उपयोग को लेकर एक समिति बनायी गयी है। यह समिति तीन माह में अपनी रिपोर्ट देगी। झारखंड में भूमि सर्वे में दूसरे राज्यों की टेक्नोलॉजी कैसे और कितने समय में कर लिया जायेगा, इस पर समिति रिपोर्ट करेगी। महाधिवक्ता रोहितश्य रॉय ने खंडपीठ से समय देने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि भूमि सर्वे मामले में विभागीय सचिव एवं संबंधित विभागों से बात करेंगे, ताकि झारखंड में सर्वे का काम नयी टेक्नोलॉजी के सहारे तेजी से हो सके।वहीं प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता प्रत्युष शौनिक्य ने बताया कि भूमि सर्वे को लेकर नयी टेक्नोलॉजी सीखने के नाम पर राज्य सरकार पहले ही काफी समय बिता चुकी है।सर्वे को लेकर झारखंड की एक टीम ने दूसरे राज्यों में जाकर वहां के भूमि सर्वे की टेक्नोलॉजी का अध्ययन किया और अपनी रिपोर्ट भी दे चुकी है, लेकिन अब सरकार की ओर से टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को लेकर समिति बनाने की बात कही जा रही है।स्पष्ट है कि सरकार इस मामले में काफी धीमी गति से काम कर रही है।

एनएचएआई आपसी समन्वय बना कर कार्य करेंः डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : मंगलवार को उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से संबंधित एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्यों, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान, अतिक्रमण निष्पादन तथा अन्य लंबित मामलों की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं एनएचएआई के प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं जिले के विकास एवं बेहतर आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक विलंब न हो।भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान एवं अन्य प्रक्रियाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करते हुए कार्यों में तेजी लाई जाए। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रिम्स में पीपीपी मोड पर चलेंगे हॉस्टल, मरीजों के लिए 200 नए वेंटिलेटर की होगी खरीद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजेंद्र आर्युविज्ञान संस्थान (रिम्स) शासी परिषद की बैठक में आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 200 नए अत्याधुनिक वेंटिलेटर्स खरीदने का निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गंभीर मरीजों की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में गंभीर मरीजों को इमरजेंसी ट्रामा की स्थिति में बेहतर इलाज सुनिश्चित करने और उपचार से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर करने का निर्णय लिया गया।इसके लिए कैंसर जांच और इमरजेंसी से जुड़े लंबित उपकरणों की खरीद को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये गये।बैठक में थैलेसीमिया मरीजों के लिए रक्त उपलब्धता बढ़ाने, ब्लड बैंक को सुदृढ़ करने, जेनेटिक स्क्रीनिंग व्यवस्था को मजबूत करने, रिहैबिलिटेशन सेंटर स्थापित करने और ऑन्कोलॉजी विभाग के लिए रेडियोथेरेपी मशीन की खरीद प्रक्रिया तेज करने पर भी सहमति बनी।वहीं, इस दौरान रिम्स में सभी यूजी और पीजी छात्रावासों का संचालन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल पर बेहतर आवासीय सुविधा और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हाईटेक स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था पर निर्णय लिये गये। इससे एमबीबीएस और पीजी छात्रों को डिजिटल एवं तकनीक आधारित शिक्षण सुविधाएं मिलेंगी। बैठक के दौरान रिम्स में मरीजों की सुविधा बढ़ाने और चिकित्सा सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण फैसले लिये गये हैं।अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत को भी हरी झंडी दी गयी है। रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्णय लिया गया।रोबोटिक सर्जरी शुरू होने से जटिल ऑपरेशन अधिक सटीकता के साथ किये जा सकेंगे और मरीजों का ब्लड लॉस कम होने के साथ ही रिकवरी अवधि भी कम होगी।शासी परिषद ने अस्पताल परिसर के सभी शौचालयों को आधुनिक बनाने, मुख्य प्रवेश द्वार को नया स्वरूप देने, ऑर्थोपेडिक वार्ड के पुनर्निर्माण तथा मरीजों और उनके परिजनों की सहायता के लिए मार्डन और हाई टेक हेल्प डेस्क स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया।इस फैसले के बाद अस्पताल में एयरपोर्ट की तर्ज पर शौचालय का निर्माण कराया जायेगा।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक देवघर में संपन्न, संगठन को सशक्त बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में जैन मंदिर परिसर आयोजित झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन,रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन,देवघर,गिरिडीह, जामताड़ा,बोकारो,धनबाद जिला,सहित कार्यसमिति के सदस्यों की सहभागिता रही।बैठक का शुभारंभ देवघर जिलाध्यक्ष अशोक डालमिया द्वारा स्वागत भाषण एवं प्रांतीय अध्यक्ष सुरेशचंद्र अग्रवाल के संबोधन के साथ हुआ। इसके पश्चात अनुपस्थिति का अनुमोदन, एवं पिछली कार्यसमिति की कार्यवाही की पुष्टि,तथा प्रांतीय महामंत्री विनोद जैन द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, तथा वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित आय-व्यय को आमसभा में प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदित किया गया। बैठक

में उपाध्यक्षगण, मंडलीय उपाध्यक्षों, जिला अध्यक्षों एवं शाखा अध्यक्षों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।संविधान संशोधन संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई,और कुछ संशोधन के साथ संविधान संशोधन को पास किया गया। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद डालमिया ने अपने विचार रखे, भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई तथा विविध विषयों पर विचार-विमर्श के उपरांत धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई। अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज को संगठित करना है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक सूत्र में जोड़ना ही सम्मेलन का मूल उद्देश्य है, जबकि अन्य सभी कार्य द्वितीयक हैं। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित राजस्थान महोत्सव को ऐतिहासिक बताया। तथा जिलाध्यक्ष मुकेश मित्तल एवं उनकी पूरी टीम के कार्यों की सराहना की। बैठक में संविधान संशोधन के तहत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापंचायत के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई और पूर्व राज्य सभा सांसद श्री महेश पोद्दार को उसका संयोजक नियुक्त करने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त, संपत्ति संरक्षक मंडल के गठन पर भी सहमति बनी। बैठक में सम्मेलन के कार्यालय एवं लगभग पच्चीस लाख की राशि के ट्रस्ट में कथित रूप से गलत ढंग से चले जाने के विषय पर भी गंभीर चर्चा हुई। इस संबंध में ट्रस्ट के पदाधिकारियों को 31 अगस्त तक का समय देते हुए स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक समाधान नहीं हुआ तो संगठन कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में संगठन विस्तार पर विशेष बल देते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला को राज्य में सर्वाधिक सदस्य बनाने के लिए पुरस्कृत किया गया।बैठक में गए सभीप्रतिनिधियों ने बाबा बैद्यनाथ धाम एवं श्री श्याम मंदिर में दर्शन-पूजन कर समाज, संगठन एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से 150 से भी अधिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।तथा रांची जिला से 25 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें प्रांतीय वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार,पवन कुमार पोद्दार,विनोद जैन, मनोज चौधरी,कमल कुमार केडिया,राजेंद्र केडिया,सज्जन पाड़िया,सुभाष पटवारी, रमाशंकर बगड़िया,रमन बोडा,विजय कुमार खोवाल, सुनील पोद्दार,सुरेश चौधरी, राजकुमार मित्तल,अजय डडवानिया,नेहा पटवारी, चेतन कुमार आदि शामिल है।उक्त जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

हटिया की चार दुकानों को निगम ने किया सील चार साल से अधिक समय से नहीं चुकाया था किराया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःचार साल से अधिक समय से दुकान का किराया नहीं चुकाने वाले हटिया मार्केट की चार दुकानों को नगर निगम ने सील कर दिया। मंगलवार को हुई निगम की इस कार्रवाई के बाद हटिया बाजार में हड़कंप मच गया। निगम के अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि बार- बार नोटिस के बाद भी बकाया किराया का भुगतान नहीं किया गया। इस कारण सील करने की कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अन्य बकायादारों पर भी कार्रवाई होगी। नगर निगम की प्रशासनिक टीम अधिकारियों की मौजूदगी में हटिया मार्केट पहुंची और बकाया किराया नहीं चुकाने वाली चार दुकानों को सील कर दिया। बताया गया कि इन दुकानदारों पर पिछले चार से पांच वर्षों का किराया बकाया था। कार्रवाई के दौरान बाजार में लोगों की भीड़ जुट गई और काफी देर तक अफरा- तफरी का माहौल बना रहा।

दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के विरोध में एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में धनबाद में एनएसयूआई ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष साहिल अली के नेतृत्व में एसएसएलएनटी महिला कॉलेज से रणधीर वर्मा चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रणधीर वर्मा चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया। नुक्कड़ सभा की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी और जिला अध्यक्ष साहिल अली ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों, युवाओं और महिलाओं के मुद्दों की अनदेखी कर रही है। मौके पर साहिल अली, गोपाल कृष्ण चौधरी सहित अन्य मौजूद थे।

बीसीसीएल के स्कूलों में आईआईटी आईएसएम छात्रों को दे रहा है नवाचार आधारित शिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी योजना से बीसीसीएल के क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए नियमित साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एवं मैथेमेटिक्स कक्षाएं संचालित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर तथा परियोजना प्रभावित परिवार के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराना है।आईआईटी (आईएसएम) के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो. रश्मि सिंह एवं प्रो. नीलाद्रि दास कर रहे हैं। वर्तमान में गर्ल्स हाई स्कूल, रेलवे कॉलोनी, भागा तथा जी.एन.एम. +2 स्कूल, कतरासगढ़ में कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों के लिए नियमित कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।इन कक्षाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं है। आईआईटी (आईएसएम) के विशेषज्ञ डिजिटल माध्यम, तार्किक अभ्यास, गतिविधि आधारित शिक्षण, वैज्ञानिक मॉडल और छोटे-छोटे प्रयोगों के जरिए विज्ञान और गणित को आसान, रोचक और व्यवहारिक तरीके से समझा रहे हैं।प्रो. रश्मि सिंह ने कहा हमारा प्रयास है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर बच्चे तक पहुंचे। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और आत्मविश्वास विकसित हो रहा है।स्कूल के प्राचार्य प्रमोद सिंह चौधरी ने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) की इस पहल से विद्यार्थियों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि बढ़ी है तथा उनकी सीखने की क्षमता में सकारात्मक बदलाव आया है। वहीं, जी.एन.एम. +2 स्कूल, कतरासगढ़ की प्राचार्या रेखा साहू ने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) के विशेषज्ञों के नियमित मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे उच्च शिक्षा के प्रति अधिक प्रेरित हो रहे हैं।

दिव्यांगता जागरूकता व अर्ली इंटरवेंशन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःनारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं अडानी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को धनबाद के बाबू नगर,लोहार कुल्ही क्षेत्र में दिव्यांगता जागरूकता एवं अर्ली इंटरवेंशन को लेकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं बच्चे शामिल हुए।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा बच्चों में प्रारंभिक स्तर पर शारीरिक, मानसिक एवं विकास संबंधी समस्याओं की पहचान करना था। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें कई बच्चों में विकासात्मक एवं मानसिक समस्याओं के लक्षण पाए गए।कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए भी जागरूक किया गया। साथ ही, दिव्यांगजनों के प्रति समाज में पूर्ण संवेदनशीलता, सम्मान और जागरूकता का वातावरण बनाने पर जोर दिया गया।अभिभावकों से अपील की गई कि दिव्यांग बच्चों को घर पर ही सीमित न रखें, बल्कि उन्हें उनकी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार स्कूल भेजें तथा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ें। उचित शिक्षा, विशेष प्रशिक्षण और समय पर आवश्यक उपचार एवं थेरेपी मिलने से दिव्यांग बच्चों के आत्मविश्वास और भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में दिव्यांगता से संबंधित जानकारी और सुविधाओं का अभाव है, जिससे बच्चों को उचित सहायता नहीं मिल पाती। कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों की समय-समय पर जांच कराने, विशेष शिक्षा अपनाने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया।विशेषज्ञों ने कहा कि समय रहते दिव्यांगता की पहचान, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाना और उचित मार्गदर्शन मिलने से दिव्यांग बच्चों के जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार अपनाना चाहिए।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं की डीसी ने ली जानकारी, कई मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीसी आदित्य रंजन ने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनकी सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में दिव्यांग को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने, बच्चों का स्कूल में नामांकन करने, राशन कार्ड बनवाने, आवास योजना का लाभ देने, ऑनलाइन रसीद निर्गत करने, भूमि मापी करने, गैराबद सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने, पैक्स गोदाम निर्माण की गुणवत्ता सुधारने के आवेदन आए। रुके विधवा पेंशन चालू कराने, आवागमन हेतु सड़क से अवैध कब्जा हटाने, आंगनबाड़ी सेविका नियुक्ति संबंधित मामले, बेलगड़िया में आवास उपलब्ध कराने, पैतृक संपत्ति के बंटवारे, नियोजन, दिव्यांग हेतु सरकारी योजनाओं का लाभ देने, समेत पारिवारिक मामले, जमीन के मामले, धोखाधड़ी के मामले भी लाये गए। झरिया से आए दिव्यांग मो. इरसाद ने ट्राइसाइकिल के लिए डीसी को आवेदन सौंपा। डीसी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग द्वारा लाभुक मो. इरसाद को त्वरित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराया गया। ट्राइसाइकिल मिलते ही इरसाद के चेहरे पर खुशी आ गयी। डीसी ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी केवल आवेदनों को लंबित न रखें, बल्कि धरातल पर जाकर उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीसीसीएल कतरास क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधरोपण किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःपर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कतरास क्षेत्र, बीसीसीएल द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर उद्यान, अंगारपथरा में एक वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाप्रबंधक, कतरास क्षेत्र बीके झा एवं अपर महाप्रबंधक,एमके पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर गांधी स्मारक उच्च विद्यालय, सिजुआ के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रितेश रंजन, क्षेत्रीय प्रबंधक (पर्यावरण), कतरास क्षेत्र अजीत कुमार, उप प्रबंधक (पर्यावरण), धीरेंद्र कुमार (गांधी स्मारक उच्च विद्यालय) सहित मनोज, सुरेश, कृष्णा, रवि, अभिनाश, मुकेश एवं अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अभियान के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर उद्यान, अंगारपथरा में कुल 1,500 पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त, कतरास क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लगभग 4,000 पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। उक्त वृक्षारोपण अभियान कोयला मंत्रालय (एमओसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा क्षेत्र में हरित आवरण को बढ़ाना है।

मारवाड़ी महिला समिति सरायढेला शाखा ने सावन मेला में लगाए 25 स्टॉल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मारवाड़ी महिला समिति, सरायढेला शाखा की ओर से यूनियन क्लब में मंगलवार को सावन मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रीति गोयल, मंजू बगड़िया और साधना देवालिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया समिति की ओर से सभी अतिथियों का तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मान किया गया। मेले में महिलाओं द्वारा लगाए गए 25 स्टाल आकर्षण का केंद्र रहे। यहां राखी, कपड़े, भगवान के पोशाक, तोरण द्वार, ड्राई फ्रूट, खिलौने, चप्पल, हैंडमेड उत्पाद, फ्लावर पाट, घड़ियां, गृह सज्जा के सामान तथा विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियां बिक्री के लिए उपलब्ध थीं। मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने खरीदारी की और महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया। समिति की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल ने बताया कि मेले का उद्देश्य घर से छोटे स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराना है। इस वर्ष कुल 25 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों को विशेष स्थान मिला है।समिति की पूर्व अध्यक्ष नीलिमा अग्रवाल ने बताया कि सावन मेले का आयोजन पिछले 15 वर्षों से लगातार किया जा रहा है और हर वर्ष लोगों का भरपूर सहयोग मिलता है। मौके पर समिति की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, सचिव श्वेता छापोलिका, कोषाध्यक्ष चेरी गोयल, नीलिमा अग्रवाल, मितू तुलस्यान, , ज्योति अग्रवाल, रंजू गोयल, पूनम छापोलिका, संगीता अग्रवाल, रिंकी अग्रवाल, सुमन मित्तल, खुशबू अग्रवाल, छाया अग्रवाल, जूली अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, नीलम गोयल, रंजना जिंदल कविता अग्रवाल उर्मिला ललिता ,मीनू, संध्या, आशा, बिना भारतीय, रिंकी अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, पूनम जगनानी शशि अग्रवाल ,अनिता रेखा गोयल आदि मौजूद थीं।

पूनम के एमबीबीएस तक की पढ़ाई का खर्च प्रशासन करेगा वहनः डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नीट में क्वालीफाई करने वाली आर्थिक रूप से कमजोर पूनम की एमबीबीएस तक की पढ़ाई का खर्च जिला प्रशासन वहन करेगा। उसे अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। उक्त आश्वासन डीसी आदित्य रंजन ने मंगलवार को पूनम और उसके माता - पिता को दी। डीसी ने पूनम और उनके माता - पिता को मिलने के लिए बुलाया था। डीसी ने पूनम को सम्मानित भी किया और हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया। मालूम हो कि धनबाद की भूदा बस्ती की रहने वाली दिहाड़ी मजदूर की बेटी पूनम कुमारी नीट में सफल हुई हैं। एसएसएलएनटी उत्कृष्ट गर्ल्स विद्यालय की छात्रा रही पूनम आर्थिक रूप से कमजोर है। पूनम कुमारी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में 582 अंक, 99.1375 परसेंटाइल और ऑल इंडिया रैंक 16,972 हासिल की है। पूनम के पिता धरमू गोराई दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि मां पीपू देवी गृहिणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के बावजूद पूनम ने लगातार मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया। इससे पहले वह सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से पढ़कर सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक लाकर धनबाद जिला टॉपर भी रह चुकी हैं। आदित्य रंजन ने आज पूनम को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में नीट में सफलता हेतु सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के युवाओं के शिक्षा के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाने हेतु बच्ची की एडमिशन से लेकर डॉक्टर बनने तक की पूरी पढ़ाई का खर्च जिला प्रशासन वहन करेगा। पूनम का सपना भविष्य में कार्डियोलॉजिस्ट बनकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दिया। पूनम की इस उपलब्धि से पूरे परिवार के साथ साथ धनबाद जिला में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन की शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि आज राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा सुलभ हो रही है।

डीडीसी ने की आजीविका क्षेत्र से संबंधित योजनाओं की समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज की अध्यक्षता में मंगलवार को आजीविका क्षेत्र से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। विभागों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक के दौरान बजट की उपलब्धता एवं व्यय, सीड लाइसेंस, उर्वरक लाइसेंस तथा कीटनाशक लाइसेंस से संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने कहा कि लाइसेंस की अधूरी प्रक्रिया वाले मामलों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें। बैठक में पलाश एवं अन्नपूर्णिका ब्रांड के तहत संचालित गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इन ब्रांडों के बेहतर प्रचार-प्रसार, उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन तथा महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की गई। बैठक में आजीविका संवर्धन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, वरीय वैज्ञानिक एवं प्रमुख, किसान विज्ञान केंद्र, डीडीएम नाबार्ड, कार्यपालक अभियंता (ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल एवं लघु सिंचाई प्रमंडल), जिला कृषि पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बिजली बाधित रहने पर फुसबंग्ला कंगाली पट्टी के नागरिकों ने बिजली कार्यालय पर जताया रोष

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः फुसबंग्ला कंगाली पट्टी के लोग मंगलवार को बिजली आपूर्ति बाधित होने को लेकर गुड्डू खान के नेतृत्व में नुनुडीह स्थित बिजली कार्यालय सब स्टेशन पहुंचकर अपना विरोध जताया साथ ही अविलंब बिजली बहाल करने की मांग की।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से बिजली की समस्या बनी हुई है। गुलजार मोहल्ले में पोल पर लगा डीपी बॉक्स जल जाने के कारण पूरे मोहल्ले में अंधेरा पसरा हुआ है। गुड्डू खान ने बताया कि एक हफ्ते से बिजली नहीं है। घरों में अंधेरा है और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पूरी तरह से प्रभावित हो रही है। गर्मी और अंधेरे के कारण जीना मुहाल हो गया है। कई बार शिकायत के बाद भी विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द डीपी बॉक्स बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। इधर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही तकनीकी टीम भेजकर समस्या का समाधान किया जाएगा।इधर देर शाम को डीपी बॉक्स बदलने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

सिंदरी में कॉमरेड एके राय की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, प्रखर वामपंथी विचारक तथा शोषित, पीड़ित और वंचितों की बुलंद आवाज रहे कॉमरेड एके राय की आदमकद प्रतिमा का अनावरण मंगलवार को सिंदरी में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ किया गया।प्रतिमा का अनावरण एवं माल्यार्पण पूर्व विधायक कॉमरेड आनंद महतो, वर्तमान विधायक बबलू महतो तथा विधायक अरूप चटर्जी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कॉमरेड एके राय को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कॉमरेड एके राय के संघर्षमय जीवन, श्रमिक हितों के प्रति उनके समर्पण तथा झारखंड आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित वर्गों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। इस अवसर पर तारकेश्वर यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी अजय कुमार,वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह, दीपक कुमार दीपू, बृजेश सिंह, सुरेश प्रसाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रंगशाला की कार्यशाला में प्रतिभागियों ने जाना मुखौटा बनाने का तरीका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः थिएटर और कैमरा एक्टिंग वर्कशाप रंगशाला 2026 में मंगलवार को धनबाद के युवाओं ने सस्ती चीजों से विभिन्न प्रकार का मुखौटों का निर्माण करना सीखा। रांची से आए नाट्य कलाकार ऋषिकेश लाल ने प्लास्टर आफ पेरिस और सादी पट्टी का उपयोग कर कई प्रकार के मुखौटा बनाने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने भी मुखौटा बनाया। द ब्लैक पर्ल्स धनबाद, आल इंडिया कल्चरल काउंसिल वाराणसी और रंग संस्कार थिएटर ग्रुप अलवर के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का यह चौथा दिन था। प्रशिक्षक लाल ने बताया कि मुखौटा को सुखने में महज 15-20 मिनट का समय लगता है। इसके बाद कलाकार अपनी आवश्यकता अनुसार इसे रंग कर इसका उपयोग कर सकते हैं। लाल ने बताया कि नाट्य कला अथवा अभिनय एक साधना है। जो यह सोचते हैं कि वे तुरंत ही अभिनय करना सीख गए हैं, तो वे गलतफहमी में हैं। इसके लिए उन्हें लगातार प्रशिक्षण लेने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान मौजूद बांग्ला फिल्म अभिनेत्री मोनालीसा दास ने कहा कि सीखने की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने बताया कि वे पहले भी धनबाद आ चुकी हैं, लेकिन नाट्य कला और अभिनय से जुड़े विभिन्न विषयों पर पहली बार वर्कशाप आयोजित हुई है। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता वैभव सिन्हा मौजूद थे। उन्होंने मुखौटा निर्माण और विभिन्न तरह के मेकअप को देखा और कहा कि यह धनबाद के लिए अच्छी बात है कि यहां संस्कृति और कला दोनों अब भी जीवंत हैं। कार्यक्रम के दौरान संयोजिका शारदा गिरी, सहयोगी राम प्रवेश, श्याम लाल, संजय माली समेत काफी संख्या में प्रतिभागी मौजूद थे।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ
झारखण्ड
धनबाद, बुधवार 22 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

ईवीएम-वेयर हाउस का जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

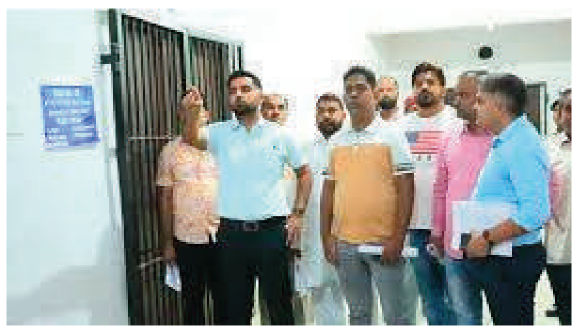

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को ईवीएम-वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने इवीएम-वेयरहाउस का भौतिक अवलोकन किया साथ ही सुरक्षा से संबंधित आवश्यक पहलुओं,सीसीटीवी एवं अन्य उपकरणों की स्थिति और रख रखाव आदि की जांच की गयी। उन्होंने संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर जायजा लिया तथा विद्युत व्यवस्था,बैलेट यूनिट हॉल, अग्निशमन व्यवस्था,कमरों की सीलिंग,डबल लॉक की स्थिति एवं निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य मानदंडों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दूसरा फरार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये बतायी गयी।जानकारी के अनुसार जवानों ने जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-एक स्थित वीआईपी गेट के पास एक युवक काले-हरे रंग का स्काई बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में बैठा देखा। जवानों को देखकर वह घबरा गया, जिसके बाद उसे रोककर पूछताछ की गयी। युवक ने अपनी पहचान बृजराज यादव (19 वर्ष), निवासी कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) बताया।बैग की जांच करने पर चार पैकेट में कुल 12 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मेहंदी अंसारी नामक व्यक्ति ने ओडिशा के संताला से गोरखपुर तक गांजा पहुंचाने का काम सौंपा था. इसके एवज में उसे प्रति किलो एक हजार रुपये देने की बात कही गई थी।रांची स्टेशन पर आरपीएफ की जांच देखकर मेहंदी अंसारी मौके से फरार हो गया।जवानों ने गांजा जब्त कर सील कर दिया और आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी रांची को सौंप दिया।इस कार्रवाई में शिशुपाल कुमार, पवन कुमार, अजीत कुमार और दिलीप कुमार जितरवाल शामिल थे।

रांची स्टेशन पर अकेली मिली नाबालिग लड़की, आरपीएफ ने चाइल्डलाइन को सौंपा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने एक नाबालिग लड़की को सुरक्षित बचाया। जवानों ने नियमित गश्त के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या दो व तीन पर एक 15 वर्षीय लड़की को अकेले और घबराई हुई अवस्था में देखा।पूछताछ में लड़की ने अपना नाम अंजली कुमारी, पिता स्व. ज्ञानचंद तुरी, निवासी ग्राम खुशरो, थाना बेरमो, जिला बोकारो बताया।उसने बताया कि वह अपनी मां को बिना बताये घर से निकली है और चारलापल्ली में काम की तलाश में जाने के लिए रेलवे स्टेशन आयी है।बालिका की सुरक्षा व आवश्यक काउंसलिंग के बाद चाइल्डलाइन, रांची के सौंप दिया गया।इस अभियान में महिला उपनिरीक्षक सुशीला बराइक, सोनाली शर्मा, सोनम कुमारी एवं मो शौकत खान शामिल थे।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने नीट-2026 में लहराया परचम

राष्ट्रीय चिकित्सा प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय और झारखंड का बढ़ाया मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए नेतरहाट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में विद्यालय के आठ विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अपने अभिभावकों तथा पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष सफल होने वाले विद्यार्थियों में आर्यन गुप्ता, शाश्वत आनंद, राहुल कुमार, राज गौरव, आयुष कुमार हिंद, हर्ष कुमार हिंद, सत्यम उरांव तथा कमल राज शामिल हैं।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है। नेतरहाट आवासीय विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को कुशल, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है, ताकि वे समाज और राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी नेतरहाट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम रोशन करते रहेंगे।

राकेश व संगीता की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला 25 को, हजारीबाग ट्रेजरी अवैध निकासी मामला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : हजारीबाग ट्रेजरी से अवैध वेतन निकासी मामले में आरोपी राकेश कुमार चौधरी और संगीता चौधरी की अग्रिम जमानत याचिका पर सीआइडी की विशेष अदालत में सुनवाई पूरी हो गयी है।अदालत ने मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जो 25 जुलाई को सुनाया जायेगा। गौरतलब है कि इस फजीवाड़े में सीआइडी ने 48 घंटे की कड़ी पूछताछ के बाद शंभू कुमार, उसकी पत्नी काजल कुमारी, आरक्षी रजनीश कुमार सिंह उर्फ पंकज सिंह, उसकी पत्नी खुशबू कुमारी, रिश्तेदार सौरभ कुमार सिंह और आरक्षी धीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया था। सीआइडी ने जांच पूरी करते हुए आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट भी दाखिल कर दी है।साल 2014 से 2026 के बीच (12 सालों में) पुलिसकर्मियों के वेतन मद में फर्जी टेंपररी आइडी बनाकर करोड़ों की अवैध निकासी की गयी।हजारीबाग ट्रेजरी से जुड़ा यह अवैध वेतन निकासी मामला लगभग 15 करोड़ रुपये का है।जांच के दौरान पता चला है कि आरोपियों ने कुल 24 बैंक खातों में लगभग 29 करोड़ रुपये ट्रांसफर किये थे.

जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित,डिजिटल सेवाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त-सह-अध्यक्ष,जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं एवं डिजिटल परियोजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 2,261 कॉमन सर्विस सेंटर पंजीकृत हैं, जिनमें से 1,992 सक्रिय हैं। वहीं पंचायत भवनों में 265 सक्रिय कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आधार सेवाओं की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले के सभी 21 प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय आधार नामांकन केंद्र संचालित हैं। साथ ही 20 बीआरसी आधार किट एवं 14 सीएससी आधारित आधार सेवा केंद्रों के माध्यम से आधार नामांकन एवं अद्यतन का कार्य किया जा रहा है।बैठक में झारनेट नेटवर्क की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के अधिकांश प्रखंडों में झारनेट सेवा सुचारू रूप से संचालित है, जबकि पिपरा एवं उंटारी रोड प्रखंड में भवन की विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्या के कारण झारनेट सेवा बाधित (डाउन) है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समस्या का समाधान कर सेवा बहाल करने के निर्देश दिए।आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अधिकांश प्रखंडों एवं अंचलों में आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली डिवाइस स्थापित एवं सक्रिय है। हालांकि नौडीहा बाजार प्रखंड कार्यालय में आधार आधारित बायोमेट्रिक डिवाइस अब तक स्थापित नहीं है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र डिवाइस की स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय में संचालित ई-ग्रंथालय परियोजना एवं झारसेवा पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध सेवाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने झारसेवा के अंतर्गत लंबित प्रमाण-पत्र एवं विवाह निबंधन आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा सभी डिजिटल सेवाओं का गुणवत्तापूर्ण संचालन करने के निर्देश दिए।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि ई-गवर्नेंस का उद्देश्य आम नागरिकों को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए डिजिटल सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने का निर्देश दिया।बैठक में उपायुक्त ने झारसेवा के तहत जारी होने वाले सभी तरह के प्रमाण पत्रों को तय समय सीमा में निष्पादन करने पर बल दिया।इसी तरह ई ग्रंथालय,आईआरएडी समेत अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गयी।इस अवसर पर डीसी,सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रणबीर सिंग,एडीआईओ प्रगति,सिविल सर्जन डॉ अनिल,डीईओ,ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पंकज पांडेय,यूआईडी के डीपीओ समेत अन्य उपस्थित रहे।

डीसी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर जताई गहरी चिंता

दुर्घटना संभावित स्थलों के लिए अलग कार्ययोजना बनाने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं, ब्लैक स्पॉट, प्रवर्तन कार्रवाई एवं सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं में हो रही जनहानि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाना इससे अधिक दुखद और कुछ नहीं हो सकता। प्रत्येक दुर्घटना के पीछे एक परिवार का दर्द जुड़ा होता है। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थलों की मैप आधारित समीक्षा करते हुए ऐसे क्षेत्रों के लिए अलग कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही सड़क अभियांत्रिकी सुधार, संकेतक, रंबल स्ट्रिप, रिफ्लेक्टर, प्रकाश व्यवस्था एवं प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

समीक्षा में बताया गया कि जनवरी से जून 2026 तक जिले में 193 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 143 लोगों की मृत्यु एवं 126 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। उपायुक्त ने हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग और ड्रंक एंड ड्राइव के विरुद्ध नियमित अभियान चलाने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि जून 2026 में 1,214 चालान कर ₹24.75 लाख का जुमार्ना वसूला गया। इनमें 392 बिना हेलमेट, 108 बिना ड्राइविंग लाइसेंस, 73 बिना बीमा, 71 बिना फिटनेस, 38 बिना परमिट, 196 अन्य सड़क सुरक्षा उल्लंघन, 28 खतरनाक ड्राइविंग, 19 ड्रंक एंड ड्राइव तथा 4 ओवरस्पीडिंग के मामले शामिल हैं।बैठक के अंत में गुड सेमेरिटन योजना के तहत सूर्य देव चौधरी एवं मयंक कुमार को चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी,जिला परिवहन पदाधिकारी,प्रमोद कुमार डीआईओ रणवीर कुमार समेत सड़क सुरक्षा समिति के विभिन्न सदस्य उपस्थित रहे।

कुख्यात नक्सली बबिता ने गिरिडीह में किया आत्मसमर्पण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड सरकार की नई दिशा नई पहल नीति से प्रभावित होकर हार्डकोर नक्सली अजय महतो की कुख्यात नक्सली पत्नी अनीता किस्कू उर्फ बबिता महतो ने मंगलवार को गिरिडीह एसपी डॉक्टर विमल कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण के समय सीआरपीएफ के अधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह भी उपस्थित थे।गिरिडीह में आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने बताया कि गोमिया थाना क्षेत्र की रहने वाली बबिता वर्ग 4 तक पढ़ी हुई है। उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य के आधे दर्जन जिलों की पुलिस को बबिता की 18 मामलों में तलाश थी। एसपी ने बताया कि बबिता के विरुद्ध सरकारी संपतियों के नुकसान के मामले दर्ज है।गिरिडीह एसपी ने भी भूले भटके लोगों को मुख्य धारा में शामिल होने की अपील की ।इस बीच नक्सली बबिता महतो ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उसे खुशी हो रही है कि आज वो समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रही है। उन्होंने सभी नक्सलियों से आत्मसमपर्ण करने का अनुरोध किया।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी जरूरी :जिला निर्वाचन पदाधिकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत चल रहे एन्यूमीरेशन एवं डिजिटाइजेशन कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति, बीएलओ एवं बीएलए-2 की भूमिका तथा आगामी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन कार्य किया जा रहा है। पलामू जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में अब तक लगभग 99.9 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण तथा 78.25 प्रतिशत प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

उन्होंने राजनीतिक दलों से 22 जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होने वाली बीएलओ एवं बीएलए-2 की तीसरी एवं अंतिम बैठक में अपने प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इसी दिन चुनाव पाठशाला का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बीएलए-2 की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।बैठक में बताया गया कि बीएलए-2 के साथ प्रारूप मतदाता सूची तथा एएसडीडीएफ सूची का सत्यापन किया जाएगा। एएसडीडीएफ सूची में डुप्लीकेट प्रविष्टि, मृत मतदाता, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता, अनुपस्थित/लापता मतदाता तथा गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर से इनकार करने वाले मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों का परीक्षण किया जाएगा।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि वे अपने स्तर से बीएलए-2 एवं अन्य प्रतिनिधियों को मतदान केंद्रों पर आयोजित बैठक एवं चुनाव पाठशाला में भाग लेने के लिए प्रेरित करें तथा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।इस अवसर पर पांकी एवं विश्रामपुर के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी समेत विभिन्न दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनजातिय समुदाय के लोगों से मिलकर

उन्हें इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को जमा करने के लिए किया प्रेरित: के. रवि कुमार

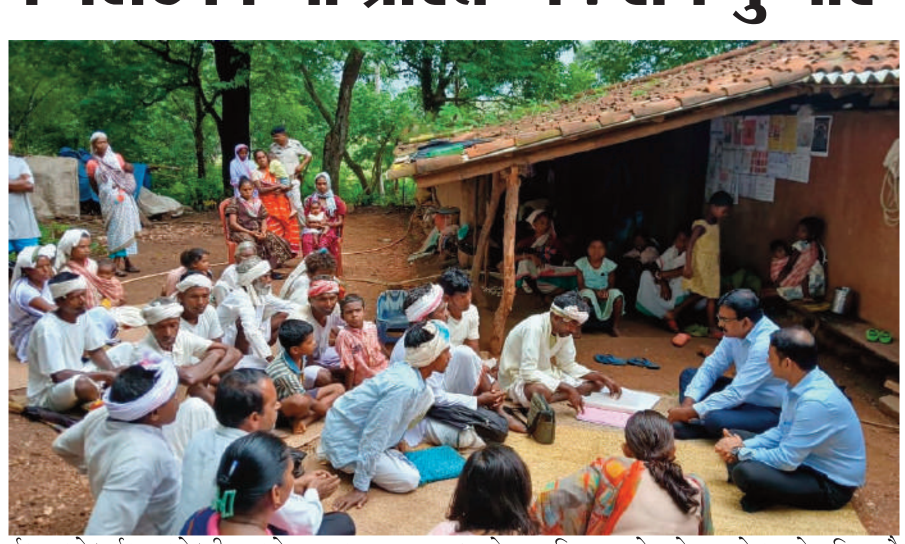

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्राप्त सूचना तोरपा, खूंटी एवं तमाड़ क्षेत्र के जनजातिय समुदाय के कुछ लोगों द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने से मना किया जा रहा है पर संज्ञान लेते हुए उक्त जनजाति समुदाय के लोगों से मंगलवार को खूंटी जिले के क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके आवास स्थल पर जाकर मुलाकात की एवं उन्हें इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को जमा करने के लिए प्रेरित भी किया। के. रवि कुमार ने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए यह आपका संवैधानिक अधिकार है।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। इसलिए कोई भी पात्र भारतीय नागरिक अपने इस संवैधानिक अधिकार से वंचित न रहे। मतदाता सूची में नाम जुड़वाकर आप अपने मताधिकार को संरक्षित करें। के. रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ईआरओ/एईआरओ/बीएलओ सुपरवाईजर/ बीएलओ को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, आदिम जनजाति, जनजाति अन्य पीवीटीजी एवं अन्य सभी को यथासंभव सहायता प्रदान की जाए एवं उनको मतदाता सूची से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि राज्य में निवास करने वाले सभी पात्र भारतीय नागरिक अपना इन्यूमरेशन फॉर्म समय पर अवश्य भरें, ताकि उनका नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि मतदान प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए सभी नागरिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, ताकि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभा सकें।के. रवि कुमार ने सभी मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों, चुनाव से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों, वोलेंटियर्स एवं निर्वाचन के सभी स्टेकहोल्डर से अनुरोध किया है कि वे प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों को प्रेरित करें कि वे स्वयं भी मतदाता सूची से जुड़ें और अपने परिवार तथा आसपास के अन्य पात्र नागरिकों को भी इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रेरित करें जिससे प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का मताधिकार सुरक्षित हो सके।मख्य निर्वाचन पदाधिकारी के खूंटी जिला भ्रमण के अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी मो. जावेद हुसैन, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सदर अस्पताल में जुड़वा बच्चों के प्रसव के बाद महिला की मौत,परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : सदर अस्पताल में मंगलवार को जुड़वा बच्चों के प्रसव के बाद महिला की मौत हो गयी।घटना के बाद मृतका के परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जम कर हंगामा किया।बाद किसी तरह समझा बुझा कर मामला शांत कराया गया। घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के मुताबिक हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बेड़ोकला निवासी संजू देवी को प्रसव पीड़ा होने के उपरांत उसके परिजनों ने उसे सोमवार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया था।शाम करीब 7 बजे ऑपरेशन से महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया।परिजनों का आरोप है कि नवजात के जन्म के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने उनसे 11 सौ रुपये की मांग किया।परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि कम पैसे देने पर स्वास्थ्य कर्मियों ने पैसे फेंक दिए।परिजनों के मुताबिक सोमवार रात्रि को सिजेरियन वाले जगह पर रक्तस्त्राव होने के बाद अविलंब इसकी सूचना अस्पताल कर्मियों को दिया गया लेकिन किसी ने भी इसे गम्भीरता से नही लिया और समय पर उचित इलाज नही होने के कारण मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे महिला की मौत हो गयी।मृतक के परिजनों ने दोषी डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया।बाद में सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार और डीएस डॉ रंजीत कुमार के समझाने पर मामला शांत हुआ।आरोप बेबुनियाद है।इलाज में कोई लापरवाही नही हुई है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ रंजीत कुमार ने बताया की परिजनों का आरोप बेबुनियाद है।महिला का ऑपरेशन के समय मे ही स्थिति चिंताजनक थी।इसकी जानकारी परिजनों को दिया गया।बाहर ले जाने का भी सलाह दिया गया परन्तु वे नही गए जिसके बाद परिजनों की सहमति से ऑपरेशन कर जुड़वा बच्चों को जन्म हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग के अपहरण का आरोप, बेहोशी की हालत में मिली पीड़िता, छेड़खानी की शिकायत

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और छेड़खानी के प्रयास का मामला सामने आया है। महनार थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई इस घटना में दो युवकों पर आरोप लगा है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है। पीड़िता की दादी ने बताया कि उनकी पोती दूध लाने के लिए घर से निकली थी। काफी देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने महनार थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने परिजनों के साथ मिलकर लड़की को घर से कुछ दूरी पर बेहोशी की हालत में बरामद किया। होश में आने के बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को बताया कि गांव के ही दो युवकों ने उसे अगवा कर छेड़खानी की थी। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा। महनार के एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने जानकारी दी कि इन दो लड़कों पर दुराचार का आरोप है, इनमें से एक के साथ पीड़िता पहले से बातचीत करती थी। पुलिस फिलहाल परिजनों के आवेदन और मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मामले की गहनता से जांच जारी है।

पूर्व मुखिया के घर पास 4 बम फेंके, 3 फटे, वैशाली में दहशत फैलाने की फायरिंग, एक जिंदा बम बरामद

हाजीपुर। वैशाली में सोमवार देर रात पूर्व मुखिया के दलान के पास अज्ञात बदमाशों ने लगातार बम फेंककर फायरिंग कर दी। धमाकों की आवाज पूरे इलाके में सुनाई दी जिसके बाद आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना में फेंके गए चार बमों में 3 विस्फोट हो गए, जबकि एक जिंदा बम मौके से बरामद हुआ। सूचना मिलते ही जंदाहा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। शुरुआती पड़ताल में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन वारदात से ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया है। स्थानीय स्तर पर इस हमले को पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में पहले जलजमाव के दौरान हुए विवाद, ट्रक चालक की पिटाई और उसके बाद मेले में हुई मारपीट के कारण दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। आरोपों की भी निष्पक्ष पड़ताल होगी और दोषियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र में देर रात पूर्व मुखिया शंभू यादव के दलान (घर के बाहरी हिस्से) के पास बदमाशों ने बम फेंके और फायरिंग की। इस घटना में फेंके गए 4 बमों में से 3 फट गए, जबकि एक जिंदा बम पुलिस ने मौके से बरामद किया। सूचना मिलते ही जंदाहा थाना अध्यक्ष अनामिका कुमारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और मामले की जांच शुरू कर दी। यह घटना मुकुंदपुर भाथ पंचायत के वार्ड संख्या 12 में बीती रात करीब डेढ़ बजे के करीब हुई। बदमाशों ने दहशत फैलाने के इरादे से पूर्व मुखिया शंभू यादव के दलान के पास बम फेंके थे।

शादी के 4 महीने बाद पति-पत्नी का शव मिला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में रविवार की रात पति और पत्नी का फंदे से झूलता शव मिला। दोनों का शव अलग-अलग कमरों से बरामद किया गया। चार महीने पहले दोनों की शादी हुई थी। घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के नरियार गांव की है। मृतकों की पहचान सिवाईपट्टी थाना के हरसेर निवासी विजय कुमार (21) और पत्नी अंजलि कुमारी(18) के तौर पर हुई है।पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए हैं। विजय के भाई का कहना है कि उसकी भाभी ने खुदकुशी की, जिसके बाद उसके परिवार वालों ने मेरे भाई की हत्या की, फिर उसे फंदे से लटका दिया। नरियार निवासी अनिल सहनी ने अपनी बेटी अंजलि कुमारी(18) की शादी सिवाईपट्टी थाना के हरसेर

में विद्यानंद सहनी के पुत्र विजय कुमार(21) के साथ की थी। इसी साल 13 मार्च को शादी हुई थी। विवाहिता शादी के बाद पहली बार 10 दिन पहले अपने मायके आई थी। पति भी ससुराल आता-जाता रहता था। अंजलि 15 दिनों से अपने मायके में थी। उसकी विदाई की तैयारी की जा रही थी। इसी वजह से माता-पिता बाजार गए थे। घर पर केवल पति-पत्नी थे। परिजन जब बाजार से लौटे तो दोनों का घर में शव मिला। मृतक के छोटे भाई अजय ने आरोप लगाते हुए कहा, लड़की ने खुदकुशी की है। मेरा भाई जब भागने लगा तो उसे मौत के घाट उतार दिया। लड़की मेरे घर भी लड़ाई करती थी, एक बार फांसी लगाने की कोशिश की थी। घर में छोटी से बात पर झगड़ा करने लगती थी। लड़की के घरवाले सब फरार हैं। मृतक के भाई बैजू कुमार ने कहा, मेरे छोटे भाई और उसकी पत्नी की मौत हुई है। मेरे रिश्तेदार के पास कल शाम में शादी कराने वाले अगुवा ने फोन किया था। बताया कि दोनों ने फांसी लगा ली है। मेरा भाई ससुराल गया था। उसको मैंने फोन कर आने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं आया। मेरे भाई की हत्या हुई है। 10 दिन पहले उसकी पत्नी मायके गई थी। बीच-बीच में मेरा भाई आता जाता था। अभी तीन दिन पहले वो ससुराल गया था। दोनों पति-पत्नी के बीच वहां झगड़ा हुआ था। उसकी सास बोल रही थी कि उसको मारेंगे। वो मायके जाने के लिए झगड़ा करती थी।

पत्नी का हत्यारा 8 साल बाद गिरफ्तार, मर्डर के बाद सीतामढ़ी में छिपा था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने 8 साल से फरार हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने 2018 में अपनी पत्नी का मर्डर किया था। पुलिस के अनुसार आरोपी का अवैध संबंध था, जिसका पत्नी हमेशा विरोध करती थी। इसी बात पर उसकी हत्या कर दी। जिले में टॉप-10 वांटेड की लिस्ट में उसे शामिल किया गया था। सदर थाना की पुलिस ने सीतामढ़ी से उसे गिरफ्तार किया है। मृतका के भाई ने सदर थाना में हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एफआईआर में पति राजेश कुमार यादव, उसकी मां और एक अन्य महिला को नामजद आरोपी बनाया गया था। मामला सदर थाना क्षेत्र के नंदपुरी मोहल्ले का है। जांच के दौरान एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की रिपोर्ट में एल्यूमिनियम फॉस्फाइड सहित अन्य रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल की पुष्टि हुई थी। इसके बाद पुलिस ने हत्या के मामले में कार्रवाई तेज की, लेकिन मुख्य आरोपी राजेश कुमार यादव लगातार फरार रहा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से वारंट जारी किया गया था। लंबे समय तक फरार रहने के कारण उसे मुजफ्फरपुर पुलिस की टॉप-10 वांटेड सूची में शामिल किया गया था। विशेष पुलिस टीम लगातार उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि वह सीतामढ़ी जिले में छिपा हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा ने बताया कि हत्या के मुख्य आरोपी राजेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले में नामजद 2 अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

ज्वेलरी कारोबारी से 50 लाख की डकैती, छत से घुसे 10 बदमाश

हथियार दिखाकर परिवार को बंधक बनाया, विरोध करने पर कहा- ठोक देंगे

एजेंसी, पटना

पटना में एक ज्वेलरी दुकान में हथियारबंद अपराधियों ने 50 लाख से अधिक की डकैती की है। गिरोह में 10 डकैत शामिल थे। डकैत रविवार रात 1:30 बजे दुकान और घर में घुसे। इसके बाद हथियार के दम पर परिवार वालों को बंधक बनाया। फिर लगभग 50 लाख रुपये के सोने और चांदी के गहने लूटकर सभी बदमाश फरार हो गए। घटना पटना सिटी के भगवानगंज मुख्य बाजार स्थित चांदनी अलंकार ज्वेलरी शॉप की है। अपराधियों ने ज्वेलरी व्यवसायी की बाइक भी साथ ले गए, जो जहानाबाद में मिली। सिलसिलेवार तरीके से जानिए पूरी वारदात....

10 हथियार बंद लुटेरे घर में घुसे, बंधक बनाया: चांदनी अलंकार ज्वेलरी के मालिक दीपक सोनी ने बताया, 'रविवार की रात हमारा परिवार सो रहा था। रात लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच 10 हथियार बंद लुटेरे घर के पीछे से सीढ़ी के जरिए छत पर चढ़े और अंदर आ गए। घर में घुसते ही उन लोगों ने परिवार

के सभी लोगों को हथियार के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी की चाबी मांगी। उसके बाद बदमाश ये कहने लगे कि साथ चलकर नीचे दुकान की तिजोरी खोलो। बार-बार हथियार दिखाने पर मैंने दुकान में जाकर तिजोरी खोल दी। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर और 15 किलो चांदी लूट लिए।'

महिलाओं के गहने भी उतरवाए: दुकान लूटने के बाद अपराधियों ने घर की महिलाओं के पहने हुए जेवर भी उतरवा लिए। साथ ही गोदरेज में रखे गए सोना-चांदी के जेवर भी लूटे और फरार हो गए। दीपक सोनी ने बताया, लूटपाट के बाद अपराधी मेरी एक बाइक और मोबाइल भी छीन कर ले गए।

50 लाख से अधिक के गहने अपराधियों ने लूटे: दीपक सोनी ने बताया, 'तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर की कीमत करीब 21 लाख है। वहीं 15 किलो चांदी के गहनों की कीमत करीब 30 लाख से अधिक की थी। साथ ही महिलाओं के गहने और अलमारी में रखे जेवर भी बदमाश लूटकर ले गए।' परिजनों के मुताबिक, करीब 50 लाख से अधिक के गहने अपराधियों ने लूटे हैं।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, छापेमारी जारी: घटना की सूचना मिलते ही भगवानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक कारोबारी की बाइक जहानाबाद से बरामद कर ली गई है। पुलिस अपराधियों की पहचान में जुटी है।

घर से दो राइफल, एक कट्टा बरामद, एक युवक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज अनुमंडल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। सिगोरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नेरिया गांव में देर रात छापेमारी किया। इस दौरान घर से दो राइफल और एक देसी कट्टा जब्त किया। इस मामले में धर्मेंद्र पासवान नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि नेरिया गांव निवासी धर्मेंद्र पासवान अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे हुए है और किसी बड़ी वारदात की तैयारी में है। सूचना मिलते ही सिगोरी थाना प्रभारी तनेश पायल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर के अंदर से दो अवैध राइफल और एक देसी कट्टा बरामद किया गया। इस दौरान आरोपी ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

हथियारों के स्रोत की जांच में जुटी पुलिस: गिरफ्तार धर्मेंद्र पासवान से पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच का मुख्य फोकस यह पता

▢ पूछताछ कर रही पुलिस, हथियारों के स्रोत की जांच जारी

लगाना है कि बरामद हथियार कहां से लाए गए और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी का किसी आपराधिक गिरोह से संबंध तो नहीं है।

थाना प्रभारी ने क्या कहा?: सिगोरी थाना प्रभारी तनेश पायल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर से दो राइफल और एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। हथियारों के नेटवर्क और संभावित आपराधिक गतिविधियों को लेकर पूछताछ जारी है।

पटना रेपिडो कार से शराब की तस्करी स्टेशन गोलंबर के पास कार पकड़ा

एजेंसी, पटना

पटना में रैपिडो के जरिए शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के पटना जंक्शन गोलंबर का है, जहां वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक रैपिडो कार से विदेशी शराब बरामद किया है। इस दौरान कार सवार संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया, लेकिन शराब बरामद कर लिया गया है।

चेकिंग के दौरान भागा रैपिडो कार सवार: मौके पर मौजूद पदाधिकारी अनिल कुमार (दारोगा) के मुताबिक, आचार संहिता के मद्देनजर नजर पटना जंक्शन से सटे कोतवाली इलाके के गोलंबर पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही रेपिडो कार को पुलिसकर्मियों ने रोका और तलाशी शुरू की। इस दौरान आगे की सीट पर बैठा शख्स फरार

हो गया। गाड़ी की डिक्की खोलकर चेक की गई तो सूटकेस के अंदर अखबार से लपेटकर शराब की बोतलें रखी गई थी। सभी को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल कार को कोतवाली थाना लाया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है।

हाल ही में इसी गोलंबर से कटिहार का एक छात्र शराब की खेप के साथ पकड़ा गया था। उसने अपने पूरी बॉडी में शराब छुपा कर रखी थी। तलाशी के दौरान कपड़ा हटाकर देखने पर शराब मिली थी। उसने पूछताछ के दौरान बताया था कि ट्रेन के जरिए उत्तर प्रदेश से शराब की खेप लाई थी और नाला रोड में डिलीवरी देनी थी।

पटना यूनिवर्सिटी में पेपर लीक के खिलाफ आईसा का प्रदर्शन, 22 जुलाई को राजभवन मार्च का ऐलान

एजेंसी, पटना

पेपर लीक, शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ आज पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों का जुटान हुआ। छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स' एसोसिएशन (AISA) की ओर से "छात्र-युवा आक्रोश दिवस" का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने "शिक्षा बेचना बंद करो", "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो" जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में फोटो प्रदर्शनी, जनगीत और सभा का भी आयोजन किया गया। AISA ने घोषणा की कि 22 जुलाई को पटना यूनिवर्सिटी से राजभवन मार्च निकाला जाएगा।

छात्र नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना: पटना यूनिवर्सिटी की छात्रा सबा अफरीन ने कहा, 'दिल्ली में 21 दिनों से जंतर मंतर पर क्या चल रहा है, यह हम सभी लोग जानते हैं। सभी यही मांग कर रहे हैं कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, एनटीए को खारिज किया जाए और आत्महत्या करने वाले छात्रों के प्रति थोड़ी संवेदना जाहिर करें। इन सभी

22 छात्रों की संस्थागत हत्या की गई है। सोनम वांगचुक लगातार भूख हड़ताल कर रहे थे और इसे तोड़ना नहीं चाह रहे थे, लेकिन सरकार जबरन उन्हें सफेद कपड़े में किडनैप कर जाती है। हमारे साथियों ने आज भूख हड़ताल तोड़ी है और संसद में मार्च करेंगे। इसके बाद भी अगर सरकार नहीं सुनती है तो आंदोलन के जो भी स्वरूप है, उसे अपनाए जाएंगे।

फांसीवाद का दौर देश में ला रही सरकार- सबा अफरीन: छात्रा सबा अफरीन ने आगे कहा, 'इस सरकार को छात्रों की बात सुन लेनी चाहिए, क्योंकि इतनी ज्यादा आक्रोश के

♦ दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन का किया समर्थन

बाद भी अगर आप यह कल्चर लेकर आए हैं कि जो भी करो हम नहीं सुनेंगे। इसका मतलब यह है कि आप फांसीवाद का दौर देश में ले आ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'जैसे देश भर के छात्र धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। वैसे ही बिहार के छात्र मिथिलेश तिवारी का इस्तीफा मांग रहे हैं।'

NEET, AEDO और TRE-4 के मुद्दे उठाए: छात्रा मनीषा ने कहा, 'NEET पेपर लीक के खिलाफ, बिहार में AEDO की पेपर लीक, TRE 4 की नोटिफिकेशन को लेकर हम अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। आज दिल्ली में छात्र अपनी आवाज बुलंद करने के लिए संसद मार्च कर रहे हैं। उन्हें समर्थन देने के लिए आज हम लोग यहां पर पटना से उनके आवाज को मजबूत कर रहे हैं। 22 जुलाई को पटना यूनिवर्सिटी से छात्र राजभवन मार्च करेंगे। बिहार में शिक्षा से जुड़े जो भी दमन बच्चों पर हो रहे हैं उसके खिलाफ प्रदर्शन का आवाहन किया गया है।

पटना से 17 साल की लड़की गायब, मां बोली- किडनैपिंग, मोबाइल शॉप पर काम करती थी

एजेंसी, पटना

पटना में 17 साल की एक लड़की कल से लापता है। लड़की का नाम सौम्या भारती है। वो रामकृष्णा नगर की रहने वाली है। कोतवाली थाना इलाके के हरि निवास क्षेत्र से वो लापता हुई है। सौम्या ने रघुनाथ बालिका उच्च विद्यालय से 10वीं की पढ़ाई पूरी की है। इसके बाद वो अपने खर्च के लिए हरि निवास इलाके में स्थित एक मोबाइल दुकान पर काम कर रही थी। घटना के बाद से परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं और उन्होंने अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

मां बोली- घर से मोबाइल शॉप के लिए गई थी: सौम्या की मां दीपा देवी ने बताया कि मेरी बेटी रविवार दोपहर करीब 12 बजे हरि निवास इलाके के मोबाइल शॉप में ड्यूटी के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम करीब 7 बजे के बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। मुझे आशंका है कि अपहरण हुआ है। 7 दिन पहले मेरे घर पर कुछ अज्ञात लड़कों ने आकर मारपीट की थी। उसमें बिट्टू नाम का लड़का और दूसरे भी शामिल

थे। उसी घटना के बाद कल से मेरी बेटी लापता हो गई है। दरअसल, सौम्या की एक बेस्ट फ्रेंड ने उसकी तस्वीर इंस्टा आईडी पर लगाई थी और उस पर आपत्तिजनक कमेंट लिखे थे। जब हमें इसका पता चला तो हमने विरोध जताया था। हम उसकी फ्रेंड के घर गए थे। उसके परिवार वालों से शिकायत की थी। इस बात से नाराज होकर 14 जुलाई की दोपहर कुछ अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर हमारे साथ मारपीट की। इसके बाद हम

♦ फ्रेंड ने फोटो शेयर कर आपत्तिजनक कमेंट की थी

रामकृष्णा नगर थाने पहुंचे। थाने में मामले की शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस की ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया गया।

बड़ी बहन बोली- पुलिस एक्शन नहीं ले रही: सौम्या की बड़ी बहन दिव्या भारती ने बताया कि मेरी बहन को तलाशने के लिए पुलिस कुछ नहीं कर रही है। कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। परिवार लगातार परेशान है और पुलिस से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा। हमारे पिता बैरिया बस स्टैंड के पास फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। इन सब मामलों के बाद मकान मालिक भी घर खाली करने का दबाव बना रहे हैं। हम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद सौम्या को तलाशने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच के दौरान एक लड़के के घर भी पुलिस पहुंची थी, लेकिन लड़का परिवार सहित फरार हो गया है।

पटना में मंदिर निर्माण को लेकर झड़प, जमकर चले लाठी-डंडे

एजेंसी, पटना

पटना में बाबा चौहरमल मंदिर निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में लाठी-डंडे और चाकू चले, जिसमें एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। घटना बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत पंडारक थाना क्षेत्र स्थित पीएचसी के पास हुई है। सभी घायलों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां एक एक गंभीर घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

प्रतिमाएं कुएं में फेंकने का आरोप: घायल पक्ष का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने पंडारक स्थित महावीर मंदिर के समीप निर्माणाधीन बाबा चौहरमल मंदिर की ईंट की दीवार तोड़ दी और वहां स्थापित प्रतिमा को उखाड़कर पास के कुएं में फेंक दिया। आरोप है कि जब ग्रामीण प्रतिमा को कुएं से निकालने और घटना का विरोध करने पहुंचे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों

▢ दीवार तोड़कर मूर्ति कुएं में फेंकी, विरोध करने पर बवाल

और बांस से हमला कर दिया। इसी दौरान जितेंद्र कुमार पर चाकू से वार किया गया।

पीएचसी में हंगामा, पुलिस के सामने नारेबाजी: घटना के बाद घायलों को पीएचसी लाया गया, जहां करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। डायल-112 पुलिस टीम की मौजूदगी में भी आक्रोशित लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और दूसरे पक्ष के खिलाफ नारेबाजी की।

अचानक कार सवार पर फायरिंग घटनास्थल से एक खोखा मिला

एजेंसी, पटना

राजीव नगर रोड नंबर 9 B में 17 जुलाई की रात 11 बजे फायरिंग की वारदात हुई थी। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ राजीव नगर थाने में पीड़ित के आवेदन के मुताबिक केस रजिस्टर्ड किया गया है। हालांकि पीड़ित की ओर से भी घटना की वजह या किसी विवाद को स्पष्ट नहीं किया गया है। पीड़ित सुंदरम कुमार के मुताबिक वह कार से लौट रहे थे। इसी बीच एक अज्ञात बाइक सवार हमलावर ने उनके ऊपर फायरिंग की। गनीमत की बात रही कि गोली और कार में मौजूद एक दूसरे सवार को नहीं लगी। उन्होंने कहा कि मुझे भी मालूम नहीं है कि किस वजह से फायरिंग की गई।

गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू: SDPO लॉ एंड ऑर्डर 2 कोमल मीणा ने बताया कि आरोपी सिंगल था। सीसीटीवी फुटेज चेक की गई है। उसके आधार पर आरोपी की पहचान करने की कोशिश जारी

♦ पुलिस ने किया मामला दर्ज

है। उसके आधार पर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी हो रही है। घटना किस वजह से हुई, अरेस्टिंग के बाद ही क्लियर हो पाएगा। फिलहाल अनुसंधान जारी है।घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। बता दें कि गोलीबारी 11 बजे के आस पास हुई। उस वक्त मार्केट में लोग मौजूद थे। गोलीबारी की आवाज सुनकर दहशत का माहौल बन गया।

पटना का पहला इंटरनेशनल हॉकी ग्राउंड अगस्त में खुलेगा

एजेंसी, पटना

पटना के पहले इंटरनेशनल हॉकी ग्राउंड की सौगात अगस्त महीने में मिल जाएगी। इसमें नीदरलैंड से मंगाई गई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगाई जा रही है। पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे लेटेस्ट टर्फ है। इसके बाद पाथ-वे बनाने और स्प्रिंकलर लगाने का काम शुरू होगा। राजेंद्रनगर स्थित फिजिकल कॉलेज के पीछे बन रहा ये हॉकी एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड 8.44 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। 29 अगस्त को खेल दिवस पर इसका उद्घाटन होने की संभावना है। बिहार शहरी आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (बुडको) द्वारा इसका निर्माण कार्य किया जा रहा है।

पेरिस ओलिंपिक 2024 में इस्तेमाल किया गया ऐसा एस्ट्रोटर्फ: ऐसे ही एस्ट्रोटर्फ का इस्तेमाल पेरिस ओलिंपिक 2024

में किया गया था। यह खेल की रफ्तार बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों के चोटिल होने के खतरे को कम करती है। बीच में इस एस्ट्रोटर्फ का काम रुक गया था। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन की अधिकृत जांच एजेंसी ने जांच के बाद अपनी फाइनल रिपोर्ट में इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बिल्कुल अनुरूप पाया है। इस ग्रीन सिग्नल के बाद इसी हफ्ते से मैदान पर फाइनल टर्फ बिछाने का काम शुरू हो गया है।

राजगीर के बाद अब राजधानी के हॉकी ग्राउंड में भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा। यह बिहार का दूसरा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का मैदान होगा। ग्राउंड तैयार होने के तुरंत

▢ नीदरलैंड से मंगाई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगी, पेरिस ओलिंपिक 2024 में किया गया था इस्तेमाल

बाद दूसरे फेज का काम शुरू होगा। 1,000 दर्शकों के लिए परमानेंट और आवश्यकता पड़ने पर 1,500 दर्शकों की अस्थायी गैलरी बनेगी। यहां बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के रुकने के लिए अत्याधुनिक डोरमेट्री बनेगी। इस ग्राउंड के चालू होने से स्थानीय खिलाड़ियों को हर दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदान पर नियमित अभ्यास का मौका मिलेगा और बिहार में नेशनल-इंटरनेशनल हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी का रास्ता साफ हो जाएगा। यहां पहले दलदली जमीन हुआ करती थी। जिस जगह इंटरनेशनल टर्फ बिछाने की तैयारी है, वहां कभी लगभग 2 मीटर तक पानी में डूबा दलदली क्षेत्र हुआ करता था। चारों ओर से लगातार पानी रिसाव, 3 मीटर तक ऊंची घास और दलदल की कई परतों के कारण यह मैदान वर्षों तक किसी भी खेल गतिविधि के योग्य नहीं था। मैदान को खेलने योग्य बनाने के लिए पटना मेट्रो से हजारों ट्रॉली विशेष मिट्टी मंगाई गई है। दलदली पॉकेट्स को हटाने के लिए मशीनों से खुदाई कर रबल भरकर मैदान को स्थिर किया गया। इस खेल स्टेडियम की आधारशिला 2011 में रखी गई थी। 2011 के तत्कालीन मंत्री सुखदा पांडे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर फिजिकल कॉलेज के पीछे हॉकी के एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड के निर्माण का शिलान्यास किया था, जिसे 2013 तक बनकर तैयार होना था। मगर 15 वर्ष बाद भी पुरी तरह से तैयार नहीं हो पाया। पटना में एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम का निर्माण कार्य को लेकर 30 अगस्त 2023 को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने पत्र जारी कर इसका निर्माण कार्य बुडको को सौंपा।

संपादकीय

जेन-जी के युवाओं ने सभी को चौंकाया

20 जुलाई दिन सोमवार को, कॉकरोच पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने का आह्वान किया था। इस प्रदर्शन ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां भी इस प्रदर्शन से चिंतित हो गई हैं। इतनी बड़ी संख्या में युवा कैसे इकट्ठे हो गए। बिना किसी तैयारी के लोग अपने-अपने तरीके से इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पहुंचे। जिस शांतिपूर्ण ढंग से युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया है, बिना किसी राजनीतिक या बिना किसी जान पहचान के इतनी बड़ी मात्रा में युवाओं का एकत्रित होना, उनका शांतिपूर्ण प्रदर्शन सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। यह पीढ़ी गांधी के बारे में नहीं जानती हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में नहीं जानती है। इस हिंसक वातावरण में जिस अनुशासन और शांति के साथ युवा प्रदर्शन में शामिल हुए, उसने पुलिस और सुरक्षाबलों के दमन पर भी हिंसक नहीं हुए। गांधीवादी तरीके से पुलिस की लाठियों से पिटते रहे, भागे नहीं। इस प्रदर्शन का श्रेय ना तो सोनम वांगचुक को ना ही कॉकरोच पार्टी को दिया जा सकता है। यह प्रदर्शन पिछ्ले एक दशक से सरकार ने जिस तरह से युवाओं को उपेक्षित करके रखा है। शिक्षा महंगी होती जा रही है, स्नातक-परास्नातक और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्री लेने के बाद भी उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है। हर साल 2 से 3 परीक्षाएं देने के बाद भी ना तो नौकरी मिल रही है, ना ही उनका कैरियर बन पा रहा है। हर जगह पर जिस तरह का भ्रष्टाचार हो रहा है। युवाओं को उनकी बात नहीं कहने दी जा रही है। हर जगह उनके साथ सख्ती की जा रही है। युवाओं को जिस तरह से मकड़जाल में फंसाकर उन्हें भयभीत किया जा रहा था। ऐसा लग रहा है, कि अब युवा अपने भविष्य के लिए बिना किसी डर और भय के मुखर होकर भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। दिल्ली पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियों से हमला किया। अश्रुगैस के गोले फोड़े गए। अज्ञात लोगों ने मुंह ढंक कर पत्थरबाजी की। पहिले से टूटी-फूटी गाड़ियों को संसद मार्ग पर पुलिस ने लाकर रखा था। इस सब साजिशों के बाद भी युवा उग्र नहीं हुआ। दिल्ली पुलिस आरोप लगा रही है, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला किया। सैकड़ों पुलिसकर्मी घायल हुई हैं। कितने प्रदर्शनकारी है, यह आंकड़ा दिल्ली पुलिस नहीं बता पा रही है। हर मोबाइल पर प्रदर्शन स्थल के सोशल मीडिया में जो वीडियो है, वह पुलिस बर्बरता को बता रहे हैं।

प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए।

: कामताप्रसाद गुरु

देश की रक्षा राजा की सेना नहीं करती, देश की प्रजा करती है।

: लक्ष्मीनारायण मिश्र

सूडोकु नवताल- 7580

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7579 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

दैनिक पंचांग

22 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.03 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	07.23 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.35 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	11.46 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.01 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.17 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.41 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मेष	23.12 बजे से
		वृष	00.52 बजे से
		मिथुन	02.50 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 203 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र स्वाती 23.04 बजे को समाप्त।
योग साध्य 18.42 बजे को समाप्त।
करण बालव 18.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 19'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872778
जूलियन दिन 2461243.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 07
विशेष भड़ली नवमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

देश की युवा पीढ़ी के महान आदर्श हैं : अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद

भारत की आजादी के अमर सेनानी, महान क्रांतिकारी और अदम्य राष्ट्रभक्त शहीद चन्द्रशेखर आजाद की आज 120वीं जयंती है। यह अवसर केवल उनके जन्म का स्मरण करने का नहीं, बल्कि उनके जीवन-दर्शन, राष्ट्रभक्ति, त्याग और स्वाभिमान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का भी है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अत्याधुनिक तकनीक के युग में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि देश की युवा पीढ़ी में कितने ऐसे युवा हैं, जिन्होंने अपनी पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़कर चन्द्रशेखर आजाद के जीवन और उनके आदर्शों का गंभीर अध्ययन किया है। निस्संदेह, जिसने भी आजाद के जीवन को पढ़ा और समझा है, उसने जाना है कि उनका संपूर्ण जीवन परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, आत्मसम्मान, त्याग और बलिदान का अनुपम उदाहरण था। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत माता की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया।

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को तत्कालीन अलीराजपुर रियासत (वर्तमान मध्य प्रदेश) के भाबरा गांव में हुआ था। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी तथा माता जगरानी देवी थीं। भाभरा की पावन धरती पर ही उनका बचपन बीता। बाल्यकाल से ही उनमें स्वाभिमान, निर्भीकता और राष्ट्रप्रेम के संस्कार स्पष्ट दिखाई देते थे। यही कारण था कि मात्र दस-बारह वर्ष की आयु में उन्होंने घर-परिवार का मोह त्याग कर मातृभूमि की स्वतंत्रता को अपना जीवन-ध्येय बना लिया। आज जब पचास वर्ष के व्यक्ति को भी युवा कहा जाता है, तब यह कल्पना करना कठिन है कि एक दस बारह वर्ष का बालक अपनी जन्मभूमि की गलियों, माता पिता के स्नेह और बचपन की निश्छल दुनिया को छोड़कर केवल इसलिए निकल पड़े कि उसकी भारत माता पराधीन है। यह केवल साहस नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अद्वितीय समर्पण और असाधारण चरित्रबल का परिचायक था।

देश की स्वतंत्रता का अलख जगाने का संकल्प लेकर निकले बालक आजाद ने वर्ष 1921 में महात्मा गांधी द्वारा संचालित असहयोग आंदोलन में भाग लिया। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वर बुलंद करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जब अंग्रेज न्यायाधीश ने उनका नाम पूछा, तो उन्होंने निर्भीक स्वर में उत्तर दिया ₹नाम – आजाद, पिता का नाम – स्वतंत्र और निवास – जेल।₹ यह उत्तर सुनकर न्यायाधीश क्रोधित हो उठा और उन्हें पंद्रह बेंतों की सजा सुनाई। किन्तु प्रत्येक बेंत के साथ बालक आजाद के मुख से ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम₹ का घोष गूँजता रहा। अंग्रेजी सत्ता की क्रूरता उनके साहस को डिगा नहीं सकी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया और चन्द्रशेखर आजाद एक निर्भीक क्रांतिकारी के रूप में राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बन गए। इसके बाद उनका संपर्क महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल से हुआ। वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य बने और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। आजाद का स्पष्ट विश्वास था कि ₹दासता मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है।₹ यही विचार उनके जीवन का मूल मंत्र बन गया और अंतिम क्षण तक वे इसी अभिशाप के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। स्वाभिमान आजाद के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी। वे जो संकल्प कर लेते थे, उसे हर परिस्थिति में पूरा करते थे। कठिनाइयाँ, अभाव, भूख, प्यास और मृत्यु का भय भी उन्हें अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं कर सका। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि राष्ट्रभक्ति केवल शब्दों से नहीं, बल्कि त्याग, साहस और बलिदान से सिद्ध होती है! आज, जब देश की नई पीढ़ी आधुनिकता और तकनीकी सुविधाओं के बीच अपना भविष्य गढ़ रही है, तब उसे यह भी जानना चाहिए कि स्वतंत्र भारत की यह खुली हवा किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि चन्द्रशेखर आजाद जैसे असंख्य अमर बलिदानियों के रक्त से सिंचित विरासत है। यदि नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करेगी, तभी राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, कर्तव्यबोध और स्वाभिमान की भावना और अधिक सशक्त होगी।

स्वतंत्रता संग्राम का वह दौर, विशेषकर 1920 से 1930 के बीच का दशक, अंग्रेजी शासन के लिए सबसे कठिन समय था। क्रांतिकारियों की बढ़ती गतिविधियों ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींद उड़ा दी थी। यदि उस समय स्वतंत्रता आंदोलन की समस्त धाराएँ एकजुट हो जाती, तो संभव था कि भारत को स्वतंत्रता बहुत पहले ही मिल जाती। क्रांतिकारी संगठन को संचालित करने और हथियारों की व्यवस्था के लिए धन की आवश्यकता थी। इसी उद्देश्य से पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में काकोरी कांड की योजना बनाई गई। सरकारी खजाना लूटकर अंग्रेजी शासन को यह संदेश दिया गया कि भारत के क्रांतिकारी अब केवल विरोध तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अन्याय का उत्तर उसी की भाषा में देंगे। काकोरी कांड के बाद अंग्रेजी शासन बुरी तरह बौखला गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धरपकड़ शुरू हुई। विडंबना यह रही कि जिन हजारों क्रांतिकारियों तक अंग्रेज नहीं पहुँच सके, उनमें से अनेक अपने ही लोगों की विश्वासघात पूर्ण सूचनाओं के कारण गिरफ्तार हुए और फांसी के फंदे तक पहुँच गए। यह भारतीय इतिहास का सबसे पीड़ादायक अध्याय भी है कि विदेशी शासन से अधिक नुकसान अपनों की गद्दारी ने पहुँचाया।पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की शहादत के बाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन बिखरने लगी, किंतु चन्द्रशेखर आजाद ने परिस्थितियों के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने संगठन की कमान अपने हाथों में ली और निराश साथियों में नया उत्साह भरते हुए क्रांतिकारी आंदोलन को पुनः संगठित किया। बाद में इसी संगठन को नए स्वरूप में आगे बढ़ाते हुए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के रूप में विकसित किया गया। इसी काल में आजाद और भगत सिंह की जोड़ी अंग्रेजी शासन के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई। दोनों ने देशभर के युवाओं में स्वतंत्रता की नई चेतना का संचार किया। भेष बदलकर, स्थान बदलते हुए और गुप्त रूप से संगठन का विस्तार करते हुए उन्होंने अंग्रेजी शासन की जड़ों को लगातार चुनौती दी। जहाँ भी आजाद जाते, वहाँ ऐसे युवाओं की टोली तैयार कर देते, जो राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर रहती। संसाधनों का घोर अभाव होने के बावजूद आजाद का आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। उनके सामने उस ब्रिटिश साम्राज्य की शक्ति थी, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसके राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता। फिर भी यह अकेला क्रांतिकारी अंग्रेजी शासन के लिए इतना बड़ा खतरा बन चुका था कि उसकी गिरफ्तारी के लिए पूरे देश में जाल बिछा दिया गया। उसकी सूचना देने वालों के लिए इनाम घोषित किए गए, किंतु आजाद हर बार अंग्रेजों को चकमा देकर निकल जाते थे। उनका प्रिय उद्घोष आज भी हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रभक्ति का संचार करता है

आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।₹

यह केवल कविता की पंक्ति नहीं थी, बल्कि उनके जीवन का अटल संकल्प था। उन्होंने कभी जीवित अंग्रेजों के हाथों बंदी न बनने की प्रतिज्ञा की थी और जीवन के अंतिम क्षण तक उस प्रतिज्ञा का अक्षरशः पालन किया। जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव गिरफ्तार कर लिए गए, तब भी चन्द्रशेखर आजाद ने उनके साथियों को छुड़ाने के अनेक प्रयास किए। वे चाहते थे कि देश के सभी बड़े नेता वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर स्वतंत्रता के इस निर्णायक संघर्ष में एकजुट हों, किंतु परिस्थितियों उनके अनुकूल नहीं बन सकीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने अभियान को कभी रुकने नहीं दिया और अंतिम क्षण तक अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते रहे।

27 फरवरी 1931 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम अध्यायों में सदैव अमर रहेगा। इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद अपने साथियों की रिहाई और क्रांतिकारी गतिविधियों की भावी रणनीति पर चर्चा के लिए पहुँचे थे। वे अपने साथियों की प्रतीक्षा कर ही रहे थे कि एक विश्वासघाती की सूचना पर अंग्रेजी पुलिस ने पूरे पार्क को चारों ओर से घेर लिया। अचानक हुई इस घेराबंदी के बाद भी आजाद ने धैर्य और अद्भुत साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने साथियों को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं अंग्रेजी सैनिकों से अकेले मोर्चा लेते रहे। जब तक उनकी पिस्तौल में गोलियाँ रहीं, वे दुश्मनों पर कहर बनकर टूटते रहे। अंततः जब उनके पास केवल एक अंतिम गोली शेष रह गई और गिरफ्तारी निश्चित दिखाई देने लगी, तब उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए वही अंतिम गोली स्वयं को मार ली। इस प्रकार उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर यह सिद्ध कर दिया कि ₹आजाद जीवित पकड़ा नहीं जाएगा।₹

मात्र पच्चीस वर्ष की आयु में उन्होंने अपने रक्त से मातृभूमि की स्वतंत्रता का अभिषेक कर दिया। उनकी शहादत ने पूरे देश में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह की ज्वाला और प्रचंड कर दी। अंग्रेजी सरकार यह समझ चुकी थी कि यदि क्रांतिकारियों की विचारधारा को समय रहते नहीं रोका गया, तो उसका भारत पर शासन अधिक दिनों तक टिक नहीं सकेगा। यही कारण था कि कुछ ही दिनों बाद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भी निर्धारित तिथि से पहले गुप्त रूप से फांसी दे दी गई। इन अमर बलिदानियों ने यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि के सम्मान के लिए मृत्यु भी जीवन से अधिक गौरवशाली हो सकती है। उन्होंने सत्ता, धन और प्रलोभनों को ठुकराकर अपने प्राण राष्ट्र को समर्पित कर दिए, इसलिए उनका बलिदान भारतीय इतिहास की सबसे उज्ज्वल धरोहर है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह संकल्प लिया गया था कि देश अपने शहीदों के बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा।

अरविंद रावल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हाथ में मोबाइल, जेब में माइक लेकर घूमने वाले स्वयंभू पत्रकारों पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को घुन लग चुका है, और इस बार दीमक किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि गलियों में माइक और मोबाइल थामे फिरने वाले स्वयंभू उगाहीबाजों ने लगाया है। इस सड़ती हुई व्यवस्था के सीने पर प्रहार करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस गिरीश कठपालिया की एकल पीठ ने देश के न्यायिक इतिहास की सबसे सनसनाती और कड़वी टिप्पणी दर्ज की है। अदालत ने बिना किसी लाग-लपेट के साफ कह दिया है- ह्लआज के इस अनियंत्रित डिजिटल दौर में, हाथ में मोबाइल और ₹500 का माइक्रोफोन लेकर कोई भी खुद को रिपोर्टर घोषित कर देता है, जबकि उनके पास न तो पत्रकारिता की कोई ट्रेनिंग होती है, न नैतिक समझ और न ही कोई जवाबदेही।₹ अदालत ने केंद्र सरकार और विधायिका को मुस्तैदी से निर्देशित किया है कि अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, सरकार तुरंत एक ऐसा अभेद्य नियामक ढांचा तैयार करे जो निष्पक्ष प्रेस की आजादी की रक्षा भी करे और फर्जी, डराने-धमकाने वाले गिरोहों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाए। जब अदालत ने जुलाई 2025 के दिल्ली के सीमापुरी इलाके के उस मुकदमे की केस फाइल खंगाली, तो आंखें फटी की फटी रह गईं। मामला यह था कि यूट्यूब चैनल के लिए काम करने वाले दो तथाकथित फ्रीलांस रिपोर्टर सीमापुरी की एक अवैध कॉलोनी में घुस गए। वहां वे एक धार्मिक स्थल के कथित अवैध निर्माण का वीडियो बिना किसी पूर्व अनुमति के आक्रामक तरीके से शूट करने लगे। उनके इस आक्रामक और उकसावे वाले बर्ताव ने वहां के स्थानीय लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़का दिया, जिसके बाद एक भयानक मास फ्यूरी (भीड़ का गुस्सा) फूटी। भीड़ ने उन दोनों यूट्यूबर्स को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, उनके कैमरे की बैटरी और मोबाइल छीन लिए। पुलिस ने इस मामले में आबिद अली और फुरकान नामक दो स्थानीय लोगों को भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं के तहत जेल भेज दिया था। इसी मामले में जब आरोपी जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे, तो अभियोजन पक्ष ने छाती पीटते हुए दलील दी कि यह हमला प्रेस की आजादी पर हमला है। इसी ढोंग पर जस्टिस गिरीश कठपालिया का गुस्सा भड़क उठा। कोर्ट ने साफ कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता का इस्तेमाल गैर जिम्मेदार पत्रकारिता, रंगदारी या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरे में डालने के लिए शील्ड (ढाल) के रूप में नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को ₹10,000 के निजी मुचलके पर जमानत तो दे दी, लेकिन डिजिटल मीडिया के नाम पर चल रहे इस धंधे के परखच्चे उड़ा दिए।

उल्लेखनीय है कि देश की हर गली, हर चौराहे, हर सरकारी दफ्तर, अस्पताल और छोटे दुकानदारों के लिए ये मोबाइल पत्रकार एक खौफ का पर्याय बन चुके हैं। इनका काम खबर दिखाना नहीं, बल्कि कैमरे का डर दिखाकर उगाही करना है। इनके काम करने का तरीका बेहद शातिर और खौफनाक होता है। इन दास प्रमोद टाईप स्वयंभू पत्रकारों के हथियार हैं- आक्रामक एंबुश, चयनात्मक रिपोर्टिंग, चुप रहने पर मुजरिम घोषित करना, सोशल मीडिया का ट्रायल आदि। ऐसे स्वयंभू पत्रकारों के पत्रकारिता का असली और कड़वा सच है- किसी भी छोटे कर्मचारी या डॉक्टर के मुंह के सामने जबरन माइक ठूंस देना, सिर्फ उतनी ही क्लिप दिखाना जिससे सामने वाला दोषी नजर आए, अगर पीड़ित कैमरे के सामने झिझक कर चुप हो जाए, तो चिल्लाना- देखो! यह भाग रहा है, यह चोर है और बिना किसी फैक्ट चेक के वीडियो को आधे-अधूरे थंबनेल के साथ यूट्यूब और फेसबुक पर अपलोड कर देना।

अदालत ने भी इस घिनौने जाल पर गहरी चिंता जताते हुए साफ कहा कि आक्रामक तरीके से माइक लगाना और सामने वाले के चुप रहने पर उसे जनता की नजरों में अपराधी बना देना, किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। प्रश्न उत्पन्न होता है कि आखिर देश में एकाएक लाखों यूट्यूब पत्रकार कैसे पैदा हो गए? रिसर्च में सामने आया है कि दिल्ली के चोर बाजारों और ऑनलाइन साइट्स पर धड़ल्ले से यूट्यूब जर्नलिज्म किट बिक रही है। ₹300 का एक प्लास्टिक का माइक, जिस पर न्यूज अथवा समाचार का नकली स्टीकर लगा होता है, और एक मोबाइल ट्राइपॉड, बस, इतना सामान लेते ही कल तक सट्टा खेलने वाला या आवारा घूमने वाला लड़का अगले ही दिन इलाके का ब्यूरो चीफ बनकर सरकारी दफ्तरों में धौंस जमाने पहुंच जाता है। इनके पास न तो इंडियन प्रेस काउंसिल के नियमों की समझ है, न इन्हें डिफेमेशन (मानहानि) के कानून का पता है, और न ही इन्हें संविधान के अनुच्छेद 19(1)( ) के तहत मिलने वाली अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं का ज्ञान है। इनका एकमात्र मकसद होता है- कमजोर नस पकड़ना, वीडियो डिलीट करने के बदले पैसे ऐंठना और मना करने पर पीड़ित के चरित्र का सरेआम चीरहरण करना। दिल्ली हाईकोर्ट ने बिल्कुल सही नब्ज पकड़ी है कि अब समय आ गया है जब विधायिका को एक सख्त और संतुलित डिजिटल मीडिया रेगुलेशन एक्ट लाना ही होगा। जैसे वकालत करने के लिए बार काउंसिल की डिग्री और रजिस्ट्रेशन जरूरी है, डॉक्टरी के लिए मेडिकल काउंसिल का लाइसेंस अनिवार्य है, तो फिर देश की दिशा और दशा तय करने वाली पत्रकारिता के लिए कोई मापदंड क्यों नहीं? इस रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत कई बुनियादी और कड़े सुधारों की आवश्यकता है, जैसे- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता और प्रमाणीकरण, पंजीकरण और जवाबदेही और कड़े जुमार्ने और बैन। डिजिटल या यूट्यूब पत्रकारिता शुरू करने के लिए कम से कम एक बुनियादी आचार संहिता की परीक्षा या मान्यता अनिवार्य हो। हर यूट्यूब न्यूज चैनल या फेसबुक पेज को सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत खुद को रजिस्टर्ड करना होगा, ताकि किसी भी भ्रामक खबर पर सीधे क्रिमिनल लायबिलिटी तय हो सके।

यदि कोई स्वयंभू रिपोर्टर ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली या सांप्रदायिक नफरत फैलाता पाया जाए, तो केवल उसका वीडियो नहीं, बल्कि उसका पूरा चैनल और सोशल मीडिया अकाउंट हमेशा के लिए ब्लॉक किया जाए।

यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि जब देश के डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों की जवाबदेही तय करने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं, तो लोकतंत्र की आड़ में इन स्वयंभू डिजिटल डकैतों को समाज को लूटने की खुली छूट क्यों दी गई है? क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं, जहां निष्पक्ष और ईमानदार पत्रकारिता का गला घोंट दिया जाएगा और केवल वही बचेगा जिसके पास सबसे ज्यादा चिल्लाने वाला माइक और सबसे गंदा थंबनेल होगा? अगर आज सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट की इस ऐतिहासिक चेतावनी को अनसुना किया, तो याद रखिए कि आने वाले समय में आपके घर के बाहर भी कोई ब्लैकमेलर माइक लेकर खड़ा होगा और आपकी निजता की धज्जियां सरेबाजार उड़ रही होंगी।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संसद का मानसून सत्र,सड़कों का संघर्ष और लोकतांत्रिक असहमति की अग्निपरीक्षा

भारत का लोकतंत्र केवल संसद भवन की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक शक्ति संसद के भीतर होने वाली बहस और संसद के बाहर जनता की आवाज-दोनों के संतुलन में निहित है। संसद कानून बनाती है, जबकि जनता समय-समय पर आंदोलनों के माध्यम से सत्ता को आईना दिखाती है। किंतु जब संसद की ओर बढ़ते कदमों को बैरिकेड,लाठी,आँसू गैस और अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे का सामना करना पड़े,तब प्रश्न केवल कानून- व्यवस्था का नहीं रह जाता; वह लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। संसद के वर्तमान मानसून सत्र ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक असहमति का दायरा सिमट रहा है,अथवा सुरक्षा चुनौतियों के कारण प्रशासन पहले से अधिक सतर्क और कठोर हो गया है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संसद केवल जनप्रतिनिधियों का भवन नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सर्वोच्च प्रतीक है। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि बड़े राजनीतिक परिवर्तन केवल संसद के भीतर नहीं हुए। सन 1974 का लोकनायक जयप्रकाश नारायण का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण बना। 1975 का आपातकाल लोकतांत्रिक अधिकारों पर सबसे बड़ा प्रहार माना गया। 2011 में अन्ना हजारे के जनलोकपाल आंदोलन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध देशव्यापी जनमत तैयार किया और राजनीति की दिशा बदल दी। 2020झ्र21के किसान आंदोलन ने अंततः केंद्र सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पर विवश किया। इन घटनाओं ने सिद्ध किया कि लोकतंत्र में संसद और सड़क कभी विरोधी नहीं, .बल्कि एक-दूसरे को दिशा देने वाली संस्थाएँ रही हैं। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में वर्तमान मानसून सत्र के दौरान राजधानी दिल्ली का दृश्य अनेक प्रश्न छोड़ जाता है। संसद मार्ग और उसके आसपास का इलाका अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल गया। बहुस्तरीय बैरिकेडिंग,बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती,संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश नियंत्रण तथा प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुँचने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए। प्रशासन ने इसे संसद की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया, जबकि विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक विरोध पर कठोर अंकुश बताया। लोकतंत्र में सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। संसद की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए थे। इसके बाद संसद परिसर को देश के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में विकसित किया गया। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों की अतिरिक्त सतर्कता असामान्य नहीं कही जा सकती। किंतु दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को शांतिपूर्ण और अहिंसक ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी देता है। लोकतंत्र की कसौटी यही है कि सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। वर्तमान घटनाक्रम में सबसे अधिक चिंता का विषय संवाद का अभाव दिखाई देता है। जब सरकार और आंदोलनकारी दोनों स्वयं को सही साबित करने में लग जाएँ और संवाद की जगह टकराव ले ले,तब लोकतंत्र का नैतिक बल कमजोर पड़ने लगता है। संसद के भीतर यदि बहस बाधित हो और बाहर विरोध को केवल कानून- व्यवस्था का विषय मान लिया जाए,तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ आवश्यकता से अधिक कठोरता बरती गई,जबकि प्रशासन का कहना है कि संसद की सुरक्षा सर्वोपरि थी और निषेधाज्ञा का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों के अपने- अपने तर्क हैं। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता था?क्या संवाद,समन्वय और बेहतर भीड़-प्रबंधन से टकराव टाला जा सकता था?राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआर बी)के आँकड़े बताते हैं कि देश में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ा है। दूसरी ओर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक सूचकांकों में भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं और विरोध प्रदर्शनों को लेकर समय- समय पर बहस होती रही है। यही कारण है कि संसद मार्ग पर होने वाली प्रत्येक घटना केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहती,बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बन जाती है। इतिहास बताता है कि किसी भी लोकतंत्र की शक्ति उसके विरोध को सुनने की क्षमता में होती है। ब्रिटेन,अमेरिका,फ्रांस और अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी संसदों के बाहर बड़े प्रदर्शन होते रहे हैं। कई बार पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ता है,किंतु अंततः समाधान संवाद और राजनीतिक सहमति से ही निकलता है। भारत भी इसी लोकतांत्रिक परंपरा का उत्तराधिकारी है। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की पुनर्स्थापना की है। सरकार को यह विश्वास दिलाना होगा कि असहमति को राष्ट्र-विरोध नहीं माना जाएगा। विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध हिंसा, अव्यवस्था या सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान में परिवर्तित न हो। पुलिस की भूमिका भी पूरी तरह निष्पक्ष,संयमित और कानून सम्मत होनी चाहिए,क्योंकि लोकतंत्र में पुलिस किसी सरकार की नहीं,बल्कि संविधान की प्रहरी होती है। घायल कितने हुए,कितनों को हिरासत में लिया गया और किसने पहले बैरिकेड तोड़ा - इतिहास अंततः इन प्रश्नों को पीछे छोड़ देता है। इतिहास केवल इतना याद रखता है कि उस समय लोकतंत्र ने संवाद चुना था या टकराव। संसद का सम्मान तभी सुरक्षित रहेगा जब जनता को भी यह विश्वास होगा कि उसकी आवाज संसद तक पहुँच सकती है। संसद का वर्तमान मानसून सत्र समाप्त हो जाएगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी बदल जाएँगे,लेकिन यह प्रश्न बना रहेगा कि क्या भारत का लोकतंत्र असहमति को अपने भीतर समाहित करने की क्षमता और अधिक मजबूत करेगा,या बैरिकेडों के दोनों ओर खड़े लोग एक-दूसरे को केवल प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते रहेंगे। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी एक दल की जीत में नहीं,बल्कि उस व्यवस्था में होती है जहाँ संसद की गरिमा भी सुरक्षित रहे और नागरिक कीआवाज भी सम्मान पूर्वक सुनी जाए। यही भारतीय गणराज्य की आत्मा है, यही संविधान की भावना है और यही लोकतंत्र का स्थायी मार्ग भी।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

बलोचिस्तान में सैन्य वाहन पर आईईडी विस्फोट, कई जवानों के मारे जाने की आशंका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर जिले के प्रोम इलाके में आज पाकिस्तान की सेना के बख्तरबंद वाहन पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला हुआ है। हमले के बाद हुए विस्फोट से बुलेटप्रूफ और विस्फोटरोधी इस वाहन को काफी क्षति पहुंची हैं। इस दौरान सेना के कई जवानों के मारे जाने और कुछ के घायल होने का अंदेशा है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार शुरुआती जानकारी मिली है कि इस धमाके में सेना को जान-माल की क्षति हुई है। आधिकारिक स्तर पर अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। न ही किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि धमाका बहुत जबरदस्त था। इससे वाहन को नुकसान पहुंचा है। हमले में लोग हताहत हुए हैं। उधर, बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलूच ने एक बयान में कहा है कि 18 जुलाई को विद्रोही लड़ाकों ने रत खारन के कुलान इलाके में कब्जा करने वाले पाकिस्तान की सेना के डेथ स्क्वॉड के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान पाकिस्तान की सेना की इस शाखा के खास गुर्गे हाफिज कबीर के घर को घेर लिया। इस बीच, हाफिज कबीर के बेटे अब्दुल हकीम ने विरोध करने की कोशिश की। लड़ाकों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही ढेर कर दिया। इसके बाद हाफिज कबीर को उसके दूसरे बेटे हाफिज नवीद को हिरासत में ले लिया। दोनों को बलोच नेशनल कोर्ट में पेश किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि एक और ऑपरेशन में लड़ाकों ने 18 जुलाई की रत खारन के ग्वाश इलाके में सरकारी कर्मचारी सूफी मुमताज के करीबी साथी और बलोचिस्तान विरोधी घामी सासोली की गोली मारकर हत्या कर दी। उधर, 18 जुलाई की सुबह बलोचिस्तान के डेरा बुगती जिले की तहसील सुई के यारोपत इलाके में लैंडमाइन फटने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अहमद अली पुत्र अली खान बुगती के तौर पर हुई है। उसकी उम्र अठारह साल बताई जा रही है।

नेपाल में लगातार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से 9 प्रमुख राजमार्ग प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ ने देश के नौ प्रमुख राजमार्गों पर यातायात को प्रभावित किया है। कोशी और बागमती प्रांत के कई सड़क खंड पूरी तरह बंद हो गए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर केवल एकतरफा यातायात संचालित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भोजपुर नगरपालिका के बोखिम क्षेत्र में मिड-हिल हाईवे पर बाढ़ का असर पड़ने के कारण फिलहाल एकतरफा यातायात की व्यवस्था लागू की गई है। इसी तरह, इलाम के राजदुवाली और पाँचथर जिले की याङवरक ग्रामीण नगरपालिका स्थित खोबारे खोला में भूस्खलन के कारण मेची हाईवे पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। दिक्तेल रुपाकोट मझुवागढ़ी नगरपालिका के माटेखोला क्षेत्र में भूस्खलन के चलते मिड-हिल हाईवे का दिक्तेल–भोजपुर खंड भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बागमती प्रांत में संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बीपी हाईवे पर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। बाढ़ और भूस्खलन की आशंका के चलते काठमांडू–हेटौंडा कांती हाईवे को भी अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। सिंधुपालचोक जिले की भोटेकोशी ग्रामीण नगरपालिका स्थित कोदारी हाईवे तथा जुरीखोला और अरनिको सड़क खंड भूस्खलन के कारण पूरी तरह अवरुद्ध हैं। दूसरी ओर, रसुवा जिले की गोसाइकुंड ग्रामीण नगरपालिका के बोक्रेझुंडा क्षेत्र में पसाङ ल्हामु हाईवे पर केवल एकतरफा यातायात जारी है। चितवन जिले की इच्छाकामना ग्रामीण नगरपालिका-3 के फिस्लिङ क्षेत्र में पृथ्वी हाईवे भी भूस्खलन के कारण पूरी तरह बंद हो गया है। धादिङ जिले के बेनीघाट रोराङ ग्रामीण नगरपालिका के तिसमारखानी क्षेत्र में पृथ्वी हाईवे पर एकतरफा यातायात संचालित किया जा रहा है, जबकि जवाङखोला सड़क खंड पूरी तरह अवरुद्ध है। लगातार हो रही बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ का खतरा अभी भी बना रहने की चेतावनी दी है। यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले संबंधित सरकारी एजेंसियों से सड़क की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करने की अपील की गई है।

मध्य प्रदेश को आयुष्मान भारत योजना में मिला राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश को "बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेट– हाइयेस्ट प्री-ऑथोराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन" श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। यह सम्मान योजना के अंतर्गत बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया के प्रभावी, पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया। मध्य प्रदेश ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के बड़े राज्यों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। जनसंपर्क अधिकारी अंकुश मिश्रा ने सोमवार को बताया कि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि यह उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहितकारी कार्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम, जिला अधिकारियों, चिकित्सालयों और योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद : यौन उत्पीड़न के आरोपित प्रशिक्षु आईपीएस ने की आत्महत्या की कोशिश

हैदराबाद। राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एनपीए), हैदराबाद के अपनी साथी प्रशिक्षु के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी ने रविवार रात को कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया है। उन्हें हैदराबाद के एसआर नगर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। यह घटना एक दिन बाद सामने आई है, जब ऐसी खबरें आईं कि एनपीए की एक आंतरिक जांच समिति ने उनके खिलाफ लगे आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया है। एनपीए की आंतरिक समिति ने पहले सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच की, जिसमें साथी प्रशिक्षु महिला अधिकारी के आरोप सही पाए गए हैं। इस जांच के बाद अकादमी ने उदय कृष्णा रेड्डी को निलंबित कर दिया था। पुलिस ने

मामले के सिलसिले में उन्हें नोटिस भी जारी किया था। आत्महत्या के कथित प्रयास से पहले रविवार को उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित तौर पर एक व्हाट्सएप स्टेटस पोस्ट किया था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। गौरतलब है कि कर्नाटक की एक 30 वर्षीय विवाहित प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उदय कृष्णा रेड्डी ने उन्हें अश्लील संदेश भेजे। उन्हें खींचकर एक कमरे में ले गए। उनके बाल पकड़कर मारपीट की। उनका गला घोंटने की कोशिश की। चाकू से धमकाया और चुपके से उनका एक निजी वीडियो रिकॉर्ड किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि उदय ने उस वीडियो को उनके पति को भेजकर उसे ब्लैकमेल किया। इस शिकायत के आधार पर अट्टापुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की कई धाराओं के तहत उदय कृष्णा रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस मामले की जांच चल रही है।

राजौरी-पुंछ में बरसात का कहर बाढ़, भूस्खलन, 12 व्यक्ति लापता

एजेंसी, जम्मू

जम्मू संभाग के पुंछ और राजौरी में रविवार को अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से आठ लोगों की मौत हुई है और लगभग 12 व्यक्ति लापता हैं। लगातार दूसरे दिन इनकी तलाश की जा रही है। भारी बरिश और खराब मौसम को देखते हुए आज दूसरे दिन भी श्री अमरनाथ यात्रा व मां वैष्णोदेवी यात्रा को रोक दिया गया है। बाढ़ से घरों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, मवेशियों और कृषि भूमि को भारी नुकसान पहुंचा है। पुंछ जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पड़ोसी जिले राजौरी में भी काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया है कि बाढ़ से जम्मू संभाग में 145 रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 93 मकान पुंछ में, 42 राजौरी में, आठ रियासी में और एक-एक मकान किश्तवाड़ और रामबन में क्षतिग्रस्त हुए हैं। पुंछ में 17

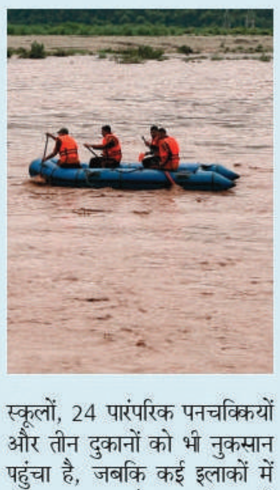

स्कूलों, 24 पारंपरिक पनचक्कियों और तीन दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है, जबकि कई इलाकों में बीएसएनएल और एयरटेल की मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। राजौरी में भी भारी तबाही हुई जहां बेला बस स्टैंड और चिल्ड्रन्स पार्क का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा बह गया। एक स्कूल और 56 वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है साथ ही लगभग 300 घरों में पीने के पानी की आपूर्ति बाधित हुई है।

♦ **अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्रा दूसरे दिन भी रोकी गई**

किश्तवाड़ की छत्रू तहसील में बटवान नाले में अचानक आई बाढ़ से एक जामा मस्जिद, एक मदरसा भवन और एक दुकान को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। कुल 127 कनाल कृषि भूमि प्रभावित हुई है जिसमें पुंछ में 92 कनाल और राजौरी में 35 कनाल भूमि शामिल है। एसडीआरएफ, पुलिस, नागरिक प्रशासन और अन्य एजेंसियों की बचाव टीमें लापता लोगों की तलाश कर रही हैं और साथ ही नुकसान का आकलन कर आवश्यक सेवाओं को बहाल करने का काम भी कर रही हैं। चेनानी-नाशरी सुरंग के उत्तरी प्रवेश द्वार के पास भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग की एक सुरंग अवरुद्ध हुई है। भारी बारिश के कारण चोबू नाले में अचानक बाढ़ और भूस्खलन से उधमपुर-पंचेरी और कैंथगली-मौंगरी सड़कें अवरुद्ध हो गईं।

उपराज्यपाल बाढ़ प्रभावित जिलों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बचाव कार्य युद्ध स्तर शुरू किया गया है। खराब मौसम को देखते हुए एहतियात के तौर पर अमरनाथ यात्रा व मां वैष्णों देवी यात्रा को आज दूसरे दिन भी स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट रहने और बचाव, राहत और बहाली के काम तेज़ी से करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री आज से प्रभावित जिलों का दौरा शुरू कर सकते हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने 23 जुलाई तक रियासी, उधमपुर, रामबन, जम्मू, कठुआ और सांबा सहित कई जिलों के साथ-साथ डोडा, किश्तवार, राजौरी और पुंछ के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और अचानक बाढ़ और भूस्खलन का पूर्वानुमान जारी किया है।

अहमदाबाद की अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट में एक घायल की मौत

एजेंसी, अहमदाबाद

♦ **मृतकों की संख्या 10 हुई**

गुजरात के अहमदाबाद के वस्त्राल क्षेत्र स्थित अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हादसे में 95 प्रतिशत तक झुलसे एक घायल ने सोमवार तड़के सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल चार घायलों का इलाज जारी है, जिनमें एक महिला की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि हादसे के बाद पांच घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें एक महिला और चार पुरुष शामिल थे। इनमें एक पुरुष 95 प्रतिशत से अधिक तथा महिला 75 प्रतिशत से अधिक झुलस गई थी। दोनों की हालत बेहद गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया था।

डॉ. जोशी के अनुसार, सोमवार तड़के करीब 2:15 बजे 95 प्रतिशत तक झुलसे पुरुष मरीज की उपचार के दौरान मौत हो गई। उसे बचाने के लिए डॉक्टरों ने हरसंभव प्रयास किए, लेकिन गंभीर जलने के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल के बर्न्स वार्ड में अभी जो मरीज भर्ती हैं। इनमें एक 40 प्रतिशत और दूसरा 20 प्रतिशत तक झुलसा है। सिविल अस्पताल में उपलब्ध स्किन बैंक की मदद से 40 प्रतिशत झुलसे मरीज के शरीर के लगभग 28 प्रतिशत हिस्से तथा 20 प्रतिशत झुलसे मरीज के करीब 15 प्रतिशत हिस्से पर दान में मिली त्वचा (स्किन ग्राफ्ट) लगाई गई है। प्लास्टिक सर्जरी और बर्न्स विशेषज्ञों की टीम दोनों का गहन उपचार कर रही है। तीसरे भर्ती मरीज की हालत सामान्य बताई गई है।

गौरतलब है कि 18 जुलाई (शनिवार) को अहमदाबाद के रामोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत वस्त्राल गांव की सीमा में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट हुआ था।

महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि हाइवे पर हादसे में छह लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के वर्धा जिले के सालोद में समृद्धि हाइवे पर सोमवार तडक़े हुए विचित्र सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार लोग और दूसरे वाहन के ड्राइवर और क्लीनर शामिल हैं। सूचना पाकर पुलगांव पुलिस और हाइवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं।

वर्धा जिले के पुलिस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि समृद्धि हाइवे पर नागपुर जाने वाले रास्ते पर एक इथेनॉल ट्रक पलटने से ट्रैफिक जाम हो गया था। इसलिए, गाडिय़ों को धीरे-धीरे दूसरी लेन में निकाला जा रहा था। इसी बीच, पीछे से आ रहे मिर्च से भरे एक आयशर ट्रक ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे दब गई। इसी दौरान ट्रक में आग लग गई। इस आग की लपटों में झुलसकर ट्रक ड्राइवर और क्लीनर की मौत हो गई। ट्रक के नीचे दबी कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान कार सवार अंकुश राउत, राजेश टिपले, जान्हवी टिपले और सुषमा टिपले, आयशर ट्रक ड्राइवर संजय कुमार और क्लीनर समरजीत पाल के रूप में हुई है। संजय धनजीपुर, उत्तर प्रदेश और समरजीत पाल गधरियनपुर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्धा के रहने वाले राजेश टिपले की दो बेटियों में से एक का एडमिशन एमबीए में हुआ था। रविवार को वे अपनी बेटी को पुणे छोड़ने गए थे। रविवार को देर रात वे वर्धा के लिए निकले थे, लेकिन वर्धा में समृद्धि हाइवे पर हुए हादसे में उनके साथ परिवार के चार लोगों की मौत हो गई।

उप्र के मुजफ्फरनगर में मकान ढहने से पिता और चार बच्चों की मौत

एजेंसी, मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के हबीबपुर गांव में रविवार रात बारिश के दौरान एक मकान भरभराकर ढह गया। उसके मलबे में दबकर घर के मुखिया और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चियों को घायल अवस्था में इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी पर रात में ही जिले के तमाम अधिकारियों ने मौका मुआयना किया और तेजी से राहत कार्य कराया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (58) रविवार खाना खाने के बाद आराम कर रहे थे। उनके पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) मौजूद थे। जबकि पत्नी दो बच्चों को लेकर पड़ोस में गई थी। इसी बीच अचानक मकान की छत भरभराकर ढह गई और गृहस्वामी एवं बच्चे सभी मलबे के नीचे दब गए।

ग्राम प्रधान ने बताया कि मजदूर इस्लामुद्दीन का घर मिट्टी के गारे से बना हुआ था। रविवार की रात बारिश के कारण छत गिरी और पूरा परिवार मलबे में दब गया। मोहल्ले के लोगों ने पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घर के मुखिया

और उनके चार बच्चों रुखसार, आहद, अलसीबा और जीशान को मृत घोषित कर दिया। जबकि रुकैया और सुमैया गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, कमिश्नर रुपेश कुमार, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, एसएसपी संजय वर्मा, सीओ फुगाना नरेंद्र यादव, सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली।

मंत्री अग्रवाल ने बताया कि परिवार को हरसंभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने डॉक्टरों से हादसे में घायल बच्चों के डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं। इस तरह का घटनाक्रम दोबारा न हो, इसके लिए भी मंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिये हैं।

दिखौ नदी की बाढ़ से सिमलुगुड़ी में रेल सेवाएं ठप, यात्रियों के लिए विशेष राहत व्यवस्था

एजेंसी, गुवाहाटी

अस्रम के शिवसागर जिले में दिखौ नदी के उफान ने बाढ़ की स्थिति को गंभीर बना दिया है। सिमलुगुड़ी क्षेत्र में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ का पानी रेलवे स्टेशन यार्ड, रेलवे कॉलोनी और रेल पटरियों तक पहुंच गया है। इसके चलते पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सिमलुगुड़ी–नामटियाली तथा सिमलुगुड़ी–सेलेंघाट रेलखंड पर सभी रेल सेवाओं को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल शर्मा ने सोमवार को बताया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन में भी बदलाव किया गया है। डिब्रूगढ़ और न्यू तिनसुकिया से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों को अब रंगिया–रंगापाड़ा मार्ग से संचालित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो और रेल सेवाएं यथासंभव जारी रखी जा सकें। वहीं, प्रभावित रेलखंड पर

चलने वाली कई स्थानीय ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से समाप्त किया गया है।

रेलवे प्रशासन ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में इंजीनियरिंग और तकनीकी कर्मचारियों की विशेष टीमें आवश्यक उपकरणों एवं सामग्री के साथ तैनात कर दी गई हैं। अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, बाढ़ का पानी कम होने के बाद ही रेल पटरियों, पुलों और अन्य रेल संरचनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया जा सकेगा। इसके बाद हुए नुकसान का आकलन कर आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा और सुरक्षा मानकों की पुष्टि होने पर ही रेल सेवाएं पुनः बहाल की जाएंगी। यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए रेलवे ने कई विशेष व्यवस्थाएं भी की हैं। प्रमुख स्टेशनों पर सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां यात्रियों को भोजन के पैकेट, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिन यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई है, उनके लिए टिकट वापसी और रद्दीकरण की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रेलवे ने वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। नामटियाली से शिवसागर टाउन रेलवे स्टेशन तक यात्रियों को पहुंचाने के लिए असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) की बसों के साथ-साथ स्थानीय वाहनों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, शिवसागर टाउन से डिब्रूगढ़ और न्यू तिनसुकिया के लिए विशेष ट्रेन चलाने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है, ताकि फंसे हुए यात्रियों को शीघ्र उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

मुख्यमंत्री विजय पर विवादित टिप्पणी के आरोप में डीएमके विधायक गिरफ्तार

एजेंसी, तूतीकोरिन (तमिलनाडु)

तमिलनाडु के विलाथिकुलम से डीएमके विधायकमार्कंडेयनको आज तड़के पुलिस ने नाटकीय ढंग से गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी तूतीकोरिन के कोविलपट्टी में डीएमके की आमसभा में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणी के संदर्भ में की गई है।

डीएमके विधायक मार्कंडेयन की गिरफ्तारी से डीएमके सकते में है। कुछ दिन पहले कोविलपट्टी के पास डीएमके की ओर से मतदाताओं को धन्यवाद देने के लिए एक आमसभा आयोजित की गई थी। इस सभा में डीएमके के आर. एस. भारती, पूर्वमंत्री तथा वर्तमान विधायक सहित कई नेता शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि इस आमसभा में मंच से मार्कंडेयन ने मुख्यमंत्री विजय के बारे में धमकी भरे लहजे

में कुछ विवादित शब्दों का प्रयोग किया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि, "भ्रष्टाचार का पूरा स्वरूप तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं।"

विधायक की इस टिप्पणी से तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। इसके बाद टीवीके के तूतीकोरिन जिला पदाधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मार्कंडेयन के विरुद्ध मानहानि और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और आज तड़के 50 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ अधिकारी विलाथिकुलम स्थित मार्कंडेयन के घर पहुंचे।

दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की ममता बनर्जी ने की निंदा, बोलीं- लोकतंत्र में लाठी नहीं, संवाद होना चाहिए

एजेंसी, कोलकाता

दिल्ली में छात्रों और युवाओं के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी बयान में पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सवालों का जवाब लाठीचार्ज और आंसू गैस से नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से दिया जाना चाहिए।

ममता बनर्जी ने अपने पोस्ट में कहा कि देश छात्रों, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और प्रत्येक नागरिक का है। उन्होंने कहा कि असहमति व्यक्त करना लोकतांत्रिक अधिकार है और इसे अपराध की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। उनके अनुसार, पुलिस बल का प्रयोग सुशासन का विकल्प नहीं हो सकता।

ममता बनर्जी ने प्रदर्शन में शामिल छात्रों और युवाओं के प्रति एकजुटता जताते हुए कहा कि उनकी

मांगों और चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम में जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

अपने संदेश के अंत में ममता बनर्जी ने प्रदर्शन में शामिल युवाओं के साहस और दृढ़ता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरे देश को निडर होकर अपनी बात रखने का वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को दिल्ली में संसद मार्च के दौरान बड़ी संख्या में छात्र और युवा सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए, आंसू गैस के गोले छोड़े और बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा अन्य मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

अन्नाद्रमुक विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों का सामूहिक इस्तीफा

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आ गए हैं। पार्टी के पूर्व मंत्री और मयिलम विधानसभा क्षेत्र से विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अपने संगठनात्मक पदों से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। सभी ने चेन्नई स्थित अन्नाद्रमुक मुख्यालय पहुंचकर अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक महालिंगम को सौंप दिए। सी.वी. शण्मुगम अपने समर्थकों के साथ पार्टी महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी से मुलाकात करने के लिए मुख्यालय पहुंचे थे। हालांकि, पलानीस्वामी के वहां मौजूद नहीं होने के कारण

उन्होंने अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक के माध्यम से जमा कराए।

बताया जा रहा है कि हाल ही में हुए संगठनात्मक फेरबदल में सी.वी. शण्मुगम को जिला सचिव का पद नहीं दिए जाने से उनका गुट नाराज था। पार्टी के भीतर एडप्पडी के. पलानीस्वामी और सी.वी. शण्मुगम के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं। इस दौरान एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले गुट का भी नेतृत्व से टकराव रहा था। इसी क्रम में एडप्पडी के. पलानीस्वामी ने तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के समर्थन में काम करने के आरोप में सी.वी. शण्मुगम समर्थक कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दिया था। बाद में एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाला गुट नेतृत्व के साथ समझौते के बाद दोबारा सक्रिय हो गया और उसे संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। पार्टी नेतृत्व ने एस.पी. वेलुमणि और नथम विश्वनाथन को अन्नाद्रमुक का उप महासचिव नियुक्त किया, जबकि सी.वी. शण्मुगम और उनके समर्थकों को कोई प्रमुख संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं मिली। इससे शण्मुगम गुट की नाराजगी और बढ़ गई, जिसके बाद उन्होंने सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। इस्तीफा देने से पहले सी.वी. शण्मुगम और उनके समर्थकों ने चेन्नई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री एवं अन्नाद्रमुक की पूर्व महासचिव जे. जयललिता के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी मुख्यालय पहुंचे और अपने इस्तीफे सौंप दिए।

शण्मुगम समर्थकों का दावा है कि तिंदिवनम, मयिलम, विक्रवंडी और सेंजी सहित विभिन्न क्षेत्रों के 18 से अधिक यूनियन सचिवों के अलावा राज्य, जिला, नगर और अन्य संगठनात्मक इकाइयों के बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दिया है। इस दौरान पार्टी मुख्यालय के बाहर शण्मुगम समर्थकों ने एडप्पडी के. पलानीस्वामी के खिलाफ नारेबाजी भी की। "अन्नाद्रमुक को बर्बाद मत करो" और "यह जिद क्यों?" जैसे नारों से मरीना क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम आगामी चुनावों से पहले अन्नाद्रमुक की अंदरूनी चुनौतियों को और गहरा सकता है।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रुथ पथ

धनबाद, बुधवार 22 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

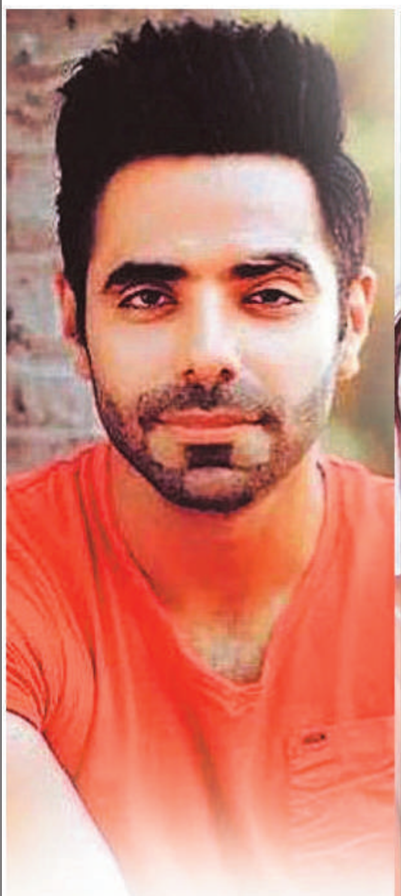

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

बेटे की काबिलियत पर भरोसा है

गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'